जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, बुधवार 25 दिसम्बर, 2024

विचार बिन्दु

कलाकार प्रकृति का प्रेमी होता है अर्थात वह उसका दास भी है और स्वामी भी। –अज्ञात

शास्त्रीय संगीत व पश्चिमी पॉप के घालमेल से लुभाना

अपने जीवनकाल में ऊंची सफलताएं और सम्मान पाने वाले तबला वादक ज़ाकिर हुसैन का पिछले दिनों सेन फ्रांसिस्को, अमरीका में निधन हो गया, जहां के वे रहने वाले हो गये थे। इस बड़े संगीतज्ञ ने अपने जीवनकाल में वह सब कुछ हासिल किया जिसका सपना हर कलाकार देखता है। जाकिर हुसैन की विरासत में हमें संगीत की अनोखी नवीनता तथा सांस्कृतिक मेल-जोल का महारत शामिल मिलता है, जिसे 'भारतरत्न' से अलंकृत सितारवादक पंडित रविशंकर की धारा से निकला माना जा सकता है। मनोरंजन के बाज़ार की दुनिया के चार ग्रैमी पुरस्कार उनकी अंतरराष्ट्रीय पहचान को और बुलंदियां दे गये। जैज़, रॉक और वैश्विक ताल के साथ पारंपरिक भारतीय लय का मिश्रण करके उन्होंने संगीत की आधुनिक दुनिया पर अपनी छाप बनाई जिसका प्रभाव वादकों की नई युवा पीढ़ी पर निश्चित रूप से पड़ा और इक्कीसवीं सदी की नई पीढ़ी ने उन्हें अब तक के सबसे महान तबला वादक के रूप में मनवा लिया। उनके निधन पर मीडिया में शोक की जिस प्रकार की लहर बही उसे यदि वह दिवंगत कलाकार देख पाता तो स्वयं भी गर्व करता। ऐसा लगा कि मीडिया ने अपना वह कलंक धो डाला है कि वह भारतीय शास्त्रीय कलाकार को मामूली जगह देता है तथा राजनेताओं और धनपतियों के ही मर्सिये पढ़ता है। हालांकि ज़ाकिर हुसैन को दी गई सभी श्रद्धांजलियों और श्रद्धांजलि आलेखों या चर्चाओं में वे सारे अतिरेक थे जिसमें आज का मीडिया धुरंधर है। इसलिए यह कवरेज देख कर कोई भी यह मानने लग सकता है कि ज़ाकिर हुसैन न होते तो तबला ही न होता। उनको ऊंचे तख्त पर बिठाने के लिए लोगों ने तबले के उस्ताद अल्लाह रक्खा खां को भी इसलिए याद कर लिया कि वे ज़ाकिर हुसैन के पिता थे। पंडित रविशंकर की भांति ज़ाकिर हुसैन ने भी आधुनिक समय के श्रोताओं की नब्ज पहचान ली थी कि उन्हें धूम-धड़ाका चाहिये। भारतीय शास्त्रीय संगीत का लंबा आलाप नई पीढ़ी को उबाता है। इस समझ का उन्हें भरपूर लाभ मिला, भले ही उसके लिए उन्हें परंपरागत भारतीय शास्त्रीय परंपराओं से थोड़ा हटना पड़ा। कोई पूछ सकता है कि किसी ने कभी पश्चिमी क्लासिकल के साथ पॉप संगीत की जुगलबंदी सुनी है? मगर हमारे संगीतज्ञ अपना रुतबा जमाने के लिए ऐसा करते हुए उसे भारतीय शास्त्रीय संगीत को विस्मृत होने से बचाना मानते हैं। शास्त्रीय संगीत में कुछ नया, उसके प्रतिमानों को अपनाए रख कर किया जा सकता है। अमरीका के पास अपना कोई क्लासिकल संगीत नहीं हैं। वहां सब बाहर का है जो अधिकतर अफ्रीकी फोक है या पॉप है। बाहर से लिये हुए को मिलाकर बाज़ार में बेचने का हुनर तीन सौ साल के इतिहास वाले अमरीका को खूब आता है। भारत की तरह ही हजारों सालों के इतिहास की थाती लिए यूरोप में ललित कलाओं की शास्त्रीयता मिलती है। वहां कोई घालमेल नहीं है। मगर इस समय भारतीय लोगों पर बाज़ार हावी है। इसीलिए ज़ाकिर हुसैन को हम अपने खुद के समय की चकाचौंध में खोया पाते है। ऐसे संगीतकारों का तर्क होता है कि वे ऐसा करके नई पीढ़ी को विस्मृत होते भारतीय शास्त्रीय संगीत की तरफ फिर से ला रहे हैं। ज़ाकिर हुसैन ने तबले से डमरू और शंख की ध्वनियां निकाल कर ऐसा ही किया।

भारतीय शास्त्रीय संगीत केवल एक कला रूप नहीं है, बल्कि एक व्यापक आध्यात्मिक, भावनात्मक और बौद्धिक अनुभव है, जो अत्यंत गहरा है, जिसे जीवन भर खोजा जा सकता है। एक बार बीबीसी से इसी कलाकार ने कहा भी था कि भारतीय शास्त्रीय संगीत स्टेडियम म्यूज़िक नहीं है। यह ऐसा म्यूज़िक नहीं है जिसे 50,000 लोग आपको दूर से देखें, आप स्क्रीन पर नज़र आयें। उस टाइप का नहीं है। ये एक बड़ा ही अंतरंग प्रकार का संगीत है। इसमें आंखों से आंखें मिलती हैं और संगीत का वार्तालाप होता है। मगर ग्रैमी के लिए इसकी दरकार नहीं होती। वहां बाज़ार में बिकने वाला संगीत होता है। ज़ाकिर हुसैन उन संगीतकारों में शुमार रहे, जो उसे श्रोताओं के लिए केवल मनोरंजन का एक साधन बना देने के बाज़ार के औज़ार बने। वे पहले तबला वादक नहीं थे जिन्होंने इस वाद्य को एकल वाद्य के रूप में पहचान दिलाई। पं. रविशंकर के साथ संगत करते हुए भी उनके पिता अल्लाह रक्खा खां ने एकल प्रदर्शन दिए थे। तबले को एकल वाद्य के रूप में जिस अद्भुत कलाकार ने प्रतिष्ठा दिलाई वह था अहमद जान थिरकवा (1891-1976)। मगर वह तबले पर थाप देते हुए अपने सिर को झटका देकर अपने बाल हवा में नहीं लहराता था और न वह किसी ब्रांड की चाय की पत्ती बेचने के लिए वाह उस्ताद बना था। ज़ाकिर हुसैन वाह उस्ताद थे। ज़ाकिर हुसैन ने एक बार कहा था कि उन्होंने वरिष्ठ गुरुजनों से सीखा मगर जब मैं बाहर निकला तो युवा होने के साथ-साथ मेरा दिमाग़ ज़्यादा खुला था। इस खुले दिमाग से उन्होंने सीखा कि व्यावसायिक मंच पर प्रदर्शन कैसे करना है। इस प्रदर्शन में लोकप्रियता हासिल करना प्राथमिकता होती है। वे नये ज़माने के साथ चले और नये ज़माने के सुनने वालों को वह दिया जिनकी सुनने की चॉइस बाज़ार ने तय कर रखी थी।

जाकिर हुसैन की प्रसिद्धि और सफलता ने उन्हें कई महत्वाकांक्षी युवा तबला वादकों के लिए आदर्श बना दिया। इससे प्रतिभाशाली संगीतकारों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार हुई है, जिनके प्रदर्शन में निपुणता और गति पर जोर तो होता है किन्तु संगीत की सूक्ष्मता और शास्त्रीय परंपरा के गहरे पहलू कमजोर हो जाते हैं। ज़ाकिर हुसैन ने जो दिशा अपनाई है, उसके बारे में आलोचनाएं भी हुई हैं, भले ही वे दबे स्वरों में रही।

ऐसा भी नहीं है कि किसी काल खंड में स्थिर हो जाना ही शास्त्रीयता होती है। कम से कम भारतीय संगीत के लिए ऐसा नहीं कहा जा सकता। भारतीय शास्त्रीय संगीत की यह विशेषता है कि इसमें हमेशा नए की गुंजाइश रहती है और संगीत के पंडित और उस्ताद हमेशा नया करते रहे हैं, खासकर रागों के प्रदर्शन में। संगीतकार अक्सर हर बार जब वे किसी राग को बजाते हैं, तो हर बार उसकी अनूठी व्याख्या करते हैं, जिससे एक निश्चित ढांचे के भीतर व्यक्तिगत अभिव्यक्ति और सहजता की अनुमति होती है। यह रचनात्मक स्वतंत्रता नवाचार को बढ़ावा देती है और संगीत को गतिशील बनाए रखती है, जिससे यह अपनी पारंपरिक जड़ों को बनाए रखते हुए विकसित होता जाता है। मगर इसका अर्थ यह नहीं है कि तबले से तालियों की आवाज़ें निकाली जाए। व्यावसायिक संगीत परिदृश्य में ज़ाकिर हुसैन की लोकप्रियता ने पारंपरिक तबला शैली को व्यापक अपील देने के लिए सरलीकृत कर दिया। इससे भारतीय शास्त्रीय तबला वादन की गहन जटिलताओं और बारीकियों के क्षरण के साथ आकर्षक या सुलभ लय को ही बढ़ावा मिला है। जाकिर हुसैन की प्रसिद्धि और सफलता ने उन्हें कई महत्वाकांक्षी युवा तबला वादकों के लिए आदर्श बना दिया। इससे प्रतिभाशाली संगीतकारों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार हुई है, जिनके प्रदर्शन में निपुणता और गति पर जोर तो होता है किन्तु संगीत की सूक्ष्मता और शास्त्रीय परंपरा के गहरे पहलू कमजोर हो जाते हैं। ज़ाकिर हुसैन ने जो दिशा अपनाई है, उसके बारे में आलोचनाएं भी हुई हैं, भले ही वे दबे स्वरों में रही। फिर भी ज़ाकिर हुसैन की डिस्कोग्राफी लय और धुन का एक समृद्ध ताना-बाना है, जो एक कलाकार के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को जरूर दर्शाता है। 1970 के दशक में अपनी शुरुआती रिकॉर्डिंग के बाद से, हुसैन ने विभिन्न शैलियों के कई प्रसिद्ध संगीतकारों और कलाकारों के साथ संगत की। उनके कुछ शुरुआती कामों में गिटार के उस्ताद बृज भूषण काबरा के साथ 'परफेक्ट पार्टनरशिप - गिटार एंड तबला' (1978) और वसंत राय के साथ 'इवनिंग रागास' (1979) शामिल हैं। इन एल्बमों ने भारतीय शास्त्रीय संगीत को अन्य संगीत परंपराओं के साथ मिलाने के लिए भविष्य का मंच तैयार किया। आर्थिक खुलेपन की नीतियों के उभार के साथ 1980 के दशक के दौरान और उसके बाद जब सब-कुछ बदल रहा था तब हिन्दुस्तानी संगीत उससे अछूता कैसे रह सकता था। बाज़ार के कंधों पर ज़ाकिर हुसैन लगातार ऊंचाइयां छूते चले गये। हालांकि उस काल में उन्होंने राहुल सारिपुत्र के साथ 'फुटप्रिंट्स इन द स्काई' (1981) और बृज भूषण काबरा के साथ 'द मैजिक ऑफ म्यूजिक' (1982) जैसे एल्बम बनाए तथा 'सुर ताल' (1991) में प्रसिद्ध सारंगी कलाकार सुल्तान खान के साथ मिलकर मांड की खुशबू भी बिखेरी। किन्तु नई सदी में वे विदेशी बगीचों की बयार का आनंद लेने लगे। मिकी हार्ट के साथ मिलकर बनाए गए 'ग्लोबल ड्रम प्रोजेक्ट' (2007) जैसे एल्बमों ने दुनिया भर की लय और ताल का मिश्रण के प्रति हुसैन के वैश्विक दृष्टिकोण को उड़ान दी। इस एल्बम ने ग्रैमी पुरस्कार जीता और विश्व संगीत के नवप्रवर्तक के रूप में उन्हें प्रतिष्ठा दी। बाद में बेला फ्लेक और एडगर मेयर के साथ रिकॉर्ड किए गए 'द मेलोडी ऑफ़ रिदम' (2009) और डेव हॉलैंड और क्रिस पॉटर के साथ 'गुड होप' (2019) जैसे एल्बमों के जरिए वे संगीत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के पार दूर तक चले गये।

सिने संगीत की अपनी जरूरत होती है वहां भी इस कलाकार ने अपनी इसी क्षमता को दर्शाया। फिल्म स्कोर में अपने प्रत्यक्ष योगदान के अलावा, हुसैन कई संकलनों और सहयोगी कार्यों में भी दिखाई दिए, जैसे कि 'द रफ गाइड टू रविशंकर' (2003) और 'द रफ गाइड टू इंडियन क्लासिकल म्यूजिक' (2014)। वे ऐसे रफ गाइड के रूप में बाज़ार की पहली पसंद थे। इसी बाज़ार के लिए उन्होंने बेला फ्लेक और एडगर मेयर के साथ 'एज़ वी स्पीक' (2023) में ब्लूग्रास, जैज़ और शास्त्रीय भारतीय लय को जोड़ कर बाजार को निहाल किया। हुसैन सात बार बाज़ार के सिरमौर ग्रैमी पुरस्कार के लिए नामांकित हुए और चार बार ग्रैमी जीते। उन्होंने 2024 में वह 66वें ग्रैमी पुरस्कार में एक ही रात में तीन ग्रैमी पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय संगीतकार बनकर इतिहास भी रचा।

अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

राष्ट्र निर्माण के "अटल" आदर्श की शताब्दी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

मैं जी भर जिया, मैं मन से मरूं...लौटकर आऊंगा, कूच से क्यों डरूं? अटल जी के ये शब्द कितने साहसी हैं...कितने गूढ़ हैं। अटल जी, कूच से नहीं डरे...उन जैसे व्यक्तित्व को किसी से डर लगता भी नहीं था। वो ये भी कहते थे... जीवन बंजारों का डेरा आज यहां, कल कहां कूच है..कौन जानता किधर सवेरा...आज अगर वो हमारे बीच होते, तो वो अपने जन्मदिन पर नया सवेरा देख रहे होते। मैं वो दिन नहीं भूलता जब उन्होंने मुझे पास बुलाकर अंकवार में भर लिया था...और जोर से पीठ में धौल जमा दी थी। वो स्नेह...वो अपनत्व...वो प्रेम...मेरे जीवन का बहुत बड़ा सौभाग्य रहा है।

आज 25 दिसंबर का ये दिन भारतीय राजनीति और भारतीय जनमानस के लिए एक तरह से सुशासन का अटल दिवस है। आज पूरा देश अपने भारत रत्न अटल को, उस आदर्श विभूति के रूप में याद कर रहा है, जिन्होंने अपनी सौम्यता, सहजता और सहृदयता से करोड़ों भारतीयों के मन में जगह बनाई। पूरा देश उनके योगदान के प्रति कृतज्ञ है। उनकी राजनीति के प्रति कृतार्थ है।

21वीं सदी को भारत की सदी बनाने के लिए उनकी एनडीए सरकार ने जो कदम उठाए, उसने देश को एक नई दिशा, नई गति दी। 1998 के जिस काल में उन्होंने पीएम पद संभाला, उस दौर में पूरा देश राजनीतिक अस्थिरता से घिरा हुआ था। 9 साल में देश ने चार बार लोकसभा के चुनाव देखे थे। लोगों को शंका थी कि ये सरकार भी उनकी उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाएगी। ऐसे समय में एक सामान्य परिवार से आने वाले अटल जी ने, देश को स्थिरता और सुशासन का मॉडल दिया। भारत को नव विकास की गारंटी दी।

वो ऐसे नेता थे, जिनका प्रभाव भी आज तक अटल है। वो भविष्य के भारत के परिकल्पना पुरुष थे। उनकी सरकार ने देश को आईटी, टेलीकम्यूनिकेशन और दूरसंचार की दुनिया में तेजी से आगे बढ़ाया। उनके शासन काल में ही, एनडीए ने टेक्नॉलजी को सामान्य मानवी की पहुंच तक लाने का काम शुरू किया। भारत के दूर-दराज के इलाकों को बड़े शहरों से जोड़ने के सफल प्रयास किये गए।

वाजपेयी जी की सरकार में शुरू हुई जिस स्वर्णिम चतुर्भुज योजना ने भारत के महानगरों को एक सूत्र में जोड़ा वो आज भी लोगों की स्मृतियों पर अमिट है। लोकल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए भी एनडीए गठबंधन की सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे कार्यक्रम शुरू किए। उनके शासन काल में दिल्ली मेट्रो शुरू हुई, जिसका विस्तार आज हमारी सरकार एक वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के रूप में कर रही है। ऐसे ही प्रयासों से उन्होंने ना सिर्फ आर्थिक प्रगति को नई शक्ति दी, बल्कि दूर-दराज के क्षेत्रों को एक-दूसरे से जोड़कर भारत की एकता को भी सशक्त किया।

जब भी सर्व शिक्षा अभियान की बात होती है, तो अटल जी की सरकार का जिक्र जरूर होता है। शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानने वाले वाजपेयी जी ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था, जहां हर व्यक्ति को आधुनिक और गुणवत्ता वाली शिक्षा मिले। वो चाहते थे भारत के वर्ग, यानि ओबीसी, एससी, एसटी, आदिवासी और महिला सभी के लिए शिक्षा सहज और सुलभ बने।

उनकी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए कई बड़े आर्थिक सुधार किए। इन सुधारों के कारण भाई-भतीजावाद में फंसी देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिली। उस दौर की सरकार के समय में जो नीतियां बनीं, उनका मूल उद्देश्य सामान्य मानवी के जीवन को बदलना ही रहा।

उनकी सरकार के कई ऐसे अद्भुत और साहसी उदाहरण हैं, जिन्हें आज भी हम देशवासी गर्व से याद करते है। देश को अब भी 11 मई 1998 का वो गौरव दिवस याद है, एनडीए सरकार बनने के कुछ ही दिन बाद पोकरण में सफल परमाणु परीक्षण हुआ। इसे 'ऑपरेशन शक्ति' का नाम दिया गया। इस परीक्षण के बाद दुनियाभर में भारत के वैज्ञानिकों को लेकर चर्चा होने लगी। इस बीच कई देशों ने खुलकर नाराजगी जताई, लेकिन तब की सरकार ने किसी दबाव की परवाह नहीं की। पीछे हटने की जगह 13 मई को न्यूक्लियर टेस्ट का एक और धमाका कर दिया गया। 11 मई को हुए परीक्षण ने तो दुनिया को भारत के वैज्ञानिकों की शक्ति से परिचय कराया था। लेकिन 13 मई को हुए परीक्षण ने दुनिया को ये दिखाया कि भारत का नेतृत्व एक ऐसे नेता के हाथ में है, जो एक अलग मिट्टी से बना है।

उन्होंने पूरी दुनिया को ये संदेश दिया, ये पुराना भारत नहीं है। पूरी दुनिया जान चुकी थी, कि भारत अब दबाव में आने वाला देश नहीं है। इस परमाणु परीक्षण की वजह से देश पर प्रतिबंध भी लगे, लेकिन देश ने सबका मुकाबला किया। वाजपेयी सरकार के शासन काल में कई बार सुरक्षा संबंधी चुनौतियां आईं। करगिल युद्ध का दौर आया। संसद पर आतंकियों ने कायरना प्रहार किया। अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले से वैश्विक स्थितियां बदलीं, लेकिन हर स्थिति में अटल जी के लिए भारत और भारत का हित सर्वोपरि रहा।

जब भी आप वाजपेयी जी के व्यक्तित्व के बारे में किसी से बात करेंगे तो वो यही कहेगा कि वो लोगों को अपनी तरफ खींच लेते थे। उनकी बोलने की कला का कोई सानी नहीं था। कविताओं और शब्दों में उनका कोई जवाब नहीं था। विरोधी भी वाजपेयी जी के भाषणों के मुरीद थे। युवा सांसदों के लिए वो चर्चाएं सीखने का माध्यम बनतीं। कुछ सांसदों की संख्या लेकर भी, वो कांग्रेस की कुनीतियों का प्रखर विरोध करने में सफल होते। भारतीय राजनीति में वाजपेयी जी ने दिखाया, ईमानदारी और नीतिगत स्पष्टता का अर्थ क्या है। संसद में कहा गया उनका ये वाक्य... सरकारें आएंगी, जाएंगी, पार्टियां बनेंगी, बिगड़ेंगी मगर ये देश रहना चाहिए...आज भी मंत्र की तरह हम सबके मन में गूंजता रहता है।

वो भारतीय लोकतंत्र को समझते थे। वो ये भी जानते थे कि लोकतंत्र का मजबूत रहना कितना जरुरी है। आपातकाल के समय उन्होंने दमनकारी कांग्रेस सरकार का जमकर विरोध किया, यातनाएं झेली। जेल जाकर भी संविधान के हित का संकल्प दोहराया। की स्थापना के साथ उन्होंने गठबंधन की राजनीति को नए सिरे से परिभाषित किया। वो अनेक दलों को साथ लाए और को विकास, देश की प्रगति और क्षेत्रीय आकांक्षाओं का प्रतिनिधि बनाया।

पीएम पद पर रहते हुए उन्होंने विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब हमेशा बेहतरीन तरीके से दिया। वो ज्यादातर समय विपक्षी दल में रहे, लेकिन नीतियों का विरोध तर्क और शब्दों से किया। एक समय उन्हें कांग्रेस ने गद्दार तक कह दिया था, उसके बाद भी उन्होंने कभी असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया।

उन में सत्ता की लालसा नहीं थी। 1996 में उन्होंने जोड़-तोड़ की राजनीतिना चुनकर, इस्तीफा देने का रास्ता चुन लिया। राजनीतिक षड्यंत्रों के कारण 1999 में उन्हें सिर्फ एक वोट के अंतर के कारण पद से इस्तीफा देना पड़ा। कई लोगों ने उनसे इस तरह की अनैतिक राजनीति को चुनौती देने के लिए कहा, लेकिन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी शुचिता की राजनीति पर चले। अगले चुनाव में उन्होंने मजबूत जनादेश के साथ वापसी की।

संविधान के मूल्य संरक्षण में भी, उनके जैसा कोई नहीं था। डॉ. श्यामा प्रसाद के निधन का उन पर बहुत प्रभाव पड़ा था। वो आपात के खिलाफ लड़ाई का भी बड़ा चेहरा बने। इमरजेंसी के बाद 1977 के चुनाव से पहले उन्होंने 'जनसंघ' का जनता पार्टी में विलय करने पर भी सहमति जता दी। मैं जानता हूं कि ये निर्णय सहज नहीं रहा होगा, लेकिन वाजपेयी जी के लिए हर राष्ट्रभक्त कार्यकर्ता की तरह दल से बड़ा देश था, संगठन से बड़ा, संविधान था।

हम सब जानते हैं, अटल जी को भारतीय संस्कृति से भी बहुत लगाव था। भारत के विदेश मंत्री बनने के बाद जब संयुक्त राष्ट्र संघ में भाषण देने का अवसर आया, तो उन्होंने अपनी हिंदी से पूरे देश को खुद से जोड़ा। पहली बार किसी ने हिंदी में संयुक्त राष्ट्र में अपनी बात कही। उन्होंने भारत की विरासत को विश्व पटल पर रखा। उन्होंने सामान्य भारतीय की भाषा को संयुक्त राष्ट्र के मंच तक पहुंचाया।

राजनीतिक जीवन में होने के बाद भी, वो साहित्य और अभिव्यक्ति से जुड़े रहे। वो एक ऐसे कवि और लेखक थे, जिनके शब्द हर विपरीत स्थिति में व्यक्ति को आशा और नव सृजन की प्रेरणा देते थे। वो हर उम्र के भारतीय के प्रिय थे। हर वर्ग के अपने थे।

मेरे जैसे भारतीय जनता पार्टी के असंख्य कार्यकर्ताओं को उनसे सीखने का, उनके साथ काम करने का, उनसे संवाद करने का अवसर मिला। अगर आज बीजेपी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है तो इसका श्रेय उस अटल आधार को है, जिस पर ये दृढ़ संगठन खड़ा है।

उन्होंने बीजेपी की नींव तब रखी, जब कांग्रेस जैसी पार्टी का विकल्प बनना आसान नहीं था। उनका नेतृत्व, उनकी राजनीतिक दक्षता, साहस और लोकतंत्र के प्रति उनके अगाध समर्पण ने बीजेपी को भारत की लोकप्रिय पार्टी के रूप में प्रशस्त किया। श्री लालकृष्ण आडवाणी और डॉ. मुरली मनोहर जोशी जैसे दिग्गजों के साथ, उन्होंने पार्टी को अनेक चुनौतियों से निकाल कर सफलता के सोपान तक पहुंचाया। जब भी सत्ता और विचारधारा के बीच एक को चुनने की स्थितियां आईं, उन्होंने इस चुनाव में विचारधारा को खुले मन से चुन लिया। वो देश को ये समझाने में सफल हुए कि कांग्रेस के दृष्टिकोण से अलग एक वैकल्पिक वैश्विक दृष्टिकोण संभव है। ऐसा दृष्टिकोण वास्तव में परिणाम दे सकता है।

आज उनका रोपित बीज, एक वटवृक्ष बनकर राष्ट्र सेवा की नव पीढ़ी को रच रहा है। अटल जी की 100वीं जयंती, भारत में सुशासन के एक राष्ट्र पुरुष की जयंती है। आइए हम सब इस अवसर पर, उनके सपनों को साकार करने के लिए मिलकर काम करें। हम एक ऐसे भारत का निर्माण करें,जो सुशासन, एकता और गति के अटल सिद्धांतों का प्रतीक हो। मुझे विश्वास है, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के सिखाए सिद्धांत ऐसे ही, हमें भारत को नव प्रगति और समृद्धि के पथ पर प्रशस्त करनें की प्रेरणा देते रहेंगे।

– प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

शिल्पग्राम महोत्सव "एक भारत श्रेष्ठ भारत" का प्रतीक है : गुलाब चंद कटारिया

- पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने शिल्पग्राम का दौरा किया
- राजस्थानी गुर्जर समुदाय के चरी डांस में सिर पर जलती आग वाली चरी लिए नृत्यांगनाओं ने रोमांचित किया

उदयपुर के शिल्पग्राम महोत्सव कलाकारों ने विभिन्न लोक कला नृत्यों की प्रस्तुति दी।

उदयपुर, (कासं)। पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि शिल्पग्राम महोत्सव जहां "एक भारत श्रेष्ठ भारत" का प्रतीक है, वहीं यहा देश के कोने-कोने से अपने उत्पाद लेकर आने वाले आर्टिजन कई वर्षों से "वोकल फॉर लोकल" का संदेश देते हैं। कटारिया मंगलवार शाम यहां हवाला रानी रोड स्थित शिल्पग्राम में मुक्ताकाशी मंच पर सांस्कृतिक समारोह में जुटे सैकड़ों लोक कला प्रेमियों को संबोधित कर रहे थे।

कटारिया ने कहा कि यहां आने वाले कलाकार भी सम्माननीय हैं, जो प्राचीन भारतीय संस्कृति को आज भी अक्षुण्ण रखे हुए हैं। इतना ही नहीं, ये लोक संस्कृति पीढ़ी दर पीढ़ी देने वाली अहम कड़ी भी हैं। कटारिया ने कहा कि मुझे उदयपुर ने पाल-पोसकर बड़ा किया है, उदयपुर की जनता के प्यार की बदौलत ही आज मैं महामहिम बना हूं। मैं वादा करता हूं कि मैं कहीं भी रहूं, उदयपुर और मेवाड़ का गौरव नहीं गिरने दूंगा।

कार्यक्रम में शिल्पग्राम के मुक्ताकाशी मंच पर राजस्थानी गुर्जर समुदाय के चरी डांस में सिर पर जलती आग वाली चरी लिए नृत्यांगनाओं ने दर्शकों को खूब रोमांचित किया। उनको सिर पर चरी के साथ बैठकर, आगे की ओर झुक कर नृत्य करते देख दर्शकों ने खूब तालियां बजाकर दाद दी। वहीं, गुजराती आदिवासी डांस राठवा की धूम और रोमांचक प्रदर्शन पर दर्शक झूमने लगे। हिमाचल प्रदेश के सिरमौरी नाटी और कर्नाटक के देवी उपासना के नृत्य पूजा कुनिथा ने जहां शिल्पग्राम का माहौल भक्तिरस से सराबोर कर दिया। कश्मीर के लोक नृत्य रौफ में डांसर्स के सुंदर समन्वय और 'बुमरो बुमरो श्याम रंग बुमरो' के गीत-संगीत पर दर्शकों ने खूब लुत्फ उठाया। गुजरात के तलवार रास ने जहां देश की आजादी के लिए कुर्बानी देने वाले शहीदों के युद्ध कौशल के प्रदर्शन से दर्शक खूब रोमांचित हुए, तो मणिपुरी लाई हारोबा डांस ने लोगों का मन जीतने के साथ ही खूब तालियां बटोरी। इनके साथ ही उत्तर प्रदेश के ढेडिया डांस में डांसर्स की सुंदर भाव-भंगिमाओं ने दर्शकों को खूब रिझाया। प्रसिद्ध भवाई नृत्य में डांसर्स के रोमांचक करतब देख लोक कला प्रेमी हतप्रभ ही नहीं हुए, बल्कि जमकर हर खूबसूरत करतब पर जमकर तालियां बजाई।

वहीं, आदिवासी सहरिया स्वांग और पंजाबी लुड्डी ने भी दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। तो पश्चिम बंगाल के पुरुलिया छाऊ लोक नृत्य ने भी कला प्रेमियों का दिल जीत लिया।

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि शिल्पग्राम में बुधवार को ओडिशा का भगवान जगन्नाथ को रिझाने के लिए किया जाने वाला नृत्य गोटीपुआ, रेगिस्तान का मांगणियार गायन, मणिपुर का पुंग ढोल चेलम और पश्चिम बंगाल का राय बेंस दर्शकों का मन मोहेंगे। इन लोक नृत्यों में गोटीपुआ और राय बेंस डांस में दर्शकों को एक्रोबेटिक एक्शन भी रिझाएंगे। इनके आलावा भारतीय पारंपरिक खेल मलखंभ के करतब देख कर भी मेलार्थी रोमांचित होंगे।

प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने से पहले छात्र को स्कूल से नहीं निकाल पायेगा प्रशासन

बीकानेर, (निसं)। स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने निशुल्क व अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (संशोधन) नियम-2024 जारी किया है। इस संशोधित अधिनियम के तहत अब स्कूल प्रशासन किसी भी छात्र को प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने से पहले विद्यालय से नहीं निकाल पाएगा।

जानकारी के अनुसार निशुल्क व अनिवार्य शिक्षा अधिनियम-2010 के भाग में छात्रों की परीक्षा और कक्षा में रोके जाने के नियम में परिवर्तन किया गया है। अब हर शैक्षणिक वर्ष में पांचवीं व आठवीं कक्षा की परीक्षा अनिवार्य होगी। वहीं संशोधित अधिनियम में यह भी स्पष्ट किया गया है कि अगर कोई छात्र पदोन्नति से वंचित रहता है तो परिणाम जारी होने के दो माह के अंदर ही उसकी दोबारा से परीक्षा दिलवानी होगी। इसके बाद भी अगर छात्र परीक्षा को पास नहीं कर पाता तो उसे पांचवीं या आठवीं कक्षा में रोका जा सकता है। अब स्टूडेंट्स की सक्षमता को देखते हुए परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा।

केंद्र सरकार की ओर से जारी राजपत्र में यह स्पष्ट किया गया है कि रोके गए छात्रों की एक सूची विद्यालय प्रशासन को बनानी होगी। स्कूल प्रशासन व शिक्षकों को उन छात्रों पर विशेष ध्यान देना होगा। समय-समय पर उनकी प्रगति की समीक्षा करनी होगी। छात्रों के लर्निंग गैप को दूर करने की जिम्मेदारी शिक्षकों की ही होगी। प्रारंभिक शिक्षा अनिवार्य होगी। इसी वजह से प्रारंभिक शिक्षा को पूरा करने पर जोर दिया गया है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 25 दिसम्बर, 2024

पौष मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, चित्रा नक्षत्र दिन 3:22 तक, अतिगंड योग रात्रि 9:46 तक, वणिज करण प्रातः 9:11 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-मकर, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज भद्रा प्रातः 9:11 से रात्रि 10:30 तक है। आज श्री पार्श्वनाथ जयन्ती, क्रिसमस दिवस, ईसा जयन्ती और बड़ा दिन है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:52 तक। शुभ 11:09 से 12:27 तक, चर 3:01 से 4:19 तक, लाभ 4:19 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:17, सूर्यास्त 5:36

मेष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क

घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक मामलों में संयम रखना ठीक रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

वृश्चिक

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में आज असंतोष बना रहेगा।

धनु

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा संभव है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मकर

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं है। यात्रा में परेशानी का भय है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 238 प्रभात चूरू, बुधवार 25 दिसम्बर, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

'पनामा कैनाल अमेरिका द्वारा अमेरिकी पैसे से बनाई गयी'

ट्रम्प ने इस तर्क के साथ, पनामा कैनाल का संचालन व नियंत्रण हथियाने का इरादा जताया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। अब तक उपलब्ध प्रारंभिक संकेतों से स्पष्ट है कि नया साल -2025- सभी देशों के लिए परेशानी भरा होने वाला है। भारत को आने वाले असमंजस भरे साल को समझदारी से निपटने के लिए हरसंभव कदम उठाना चाहिए।

डॉनल्ड ट्रंप ने अमेरिका की नई कार्य व्यवस्था के बारे में अपने विचार व्यक्त किए हैं, जिसमें पनामा नहर, जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है, को फिर से अमेरिका के नियंत्रण में लाने की बात कही है। इसके साथ-साथ, कैनडा को अमेरिका का 51 वां राज्य बनाने की बात कहने के बाद, अब ट्रंप ने समुद्र के पार ग्रीनलैंड खरीदने की बात भी कही है। उन्होंने कहा है कि विश्व शांति तथा फ्री वर्ल्ड के सरवाइवल के लिए ग्रीनलैंड अमेरिका का हिस्सा होना चाहिए।

दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति की, अन्य देशों पर कब्जा करने की नीति, अन्य देशों की इस प्रवृत्ति को लगभग वैध बना देती है। इसे नए अमेरिकी राष्ट्रपति का सबसे अच्छा तोहफा मानकर, व्लादिमिर पुतिन ने, यूक्रेन के क्षेत्रों को छीनकर रुस का हिस्सा बनाने के अपने कदम के लिए यूरोप में समर्थन जुटाने के प्रयास शुरु कर दिए हैं।

- **जैसा कि विदित ही है, अमेरिका ने पिछली शताब्दी के प्रारंभ में, एक राजनीतिक आंदोलन को फण्ड करके व पनामा व कोलंबिया का विभाजन करवाया था तथा एक नये देश पनामा का जन्म हुआ था।**
- **पनामा के स्वतंत्र होने के बाद, अमेरिका ने कैनाल का निर्माण किया था तथा काफी अर्से तक कैनाल पर अमेरिका का कंट्रोल था।**
- **1964 में पनामा में आंदोलन व अशांति के बाद कैनाल का कंट्रोल पनामा को सौंप दिया गया था।**
- **अब ट्रम्प अमेरिका के व्यापार व ट्रेड के हित में कैनाल का नियंत्रण पुनः अपने हाथ में लेना चाहता है, क्योंकि ट्रम्प के अनुसार, पनामा बहुत भारी दाम वसूल कर रहा है कैनाल के उपयोग के लिये और यह अमेरिका के ट्रेडिंग व व्यापार के हित में नहीं है।**
- **ट्रम्प की ''मेक अमेरिका ग्रेट अगेन'' (अमेरिका को पुनः महान बनाओ) नीति के अंतर्गत अमेरिका ग्रीनलैंड का भी अधिग्रहण करने की मंशा रखता है। जैसे अलास्का को रूस ने उन्नीसवीं शताब्दी में खरीदा था, उसी तरह अमेरिका ग्रीनलैंड को खरीदना चाहता है।**
- **ट्रम्प के विस्तारवादी इरादों से प्रेरित होकर रूस ने भी यूरोप के छोटे-मोटे देशों पर कब्ज़ा करने का इरादा अपनाया है।**

पुतिन ने सार्वजनिक गलत सूचना अभियान के साथ-साथ, यूरोप की कुछ सरकारों को अस्थिर करने के भी प्रयास शुरु कर दिए हैं। पुतिन के सहायक कह चुके हैं कि यूक्रेन अपनी संप्रभुता बनाए रखने के लिए जो संघर्ष कर रहा है, उसे समर्थन देने को लेकर यूरोप के देशों में भारी मतभेद हैं।

ट्रम्प के तथाकथित ''मेक अमेरिका ग्रेट अगेन'' प्लान में, पनामा कैनाल पर कब्जा करना सबसे भयावह व गंभीर है। ट्रम्प ने कहा है कि यह नहर, जो पहले अमेरिका के नियंत्रण में थी, अमेरिका के व्यापारिक व आर्थिक हितों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे फिर अमेरिका के नियंत्रण में लाना चाहिए।

पनामा के राष्ट्रपति होसे राउल मुलिनो ने कहा है कि नहर का प्रत्येक मीटर पनामा का है और नहर और आस-पास की भूमि पर कोई सौदा नहीं किया जा सकता। लेकिन ट्रम्प इससे हतोत्साहित नहीं हैं और उन्होंने युवा अमेरिकी कंज़र्वेटिव्स के एक समूह से कहा है कि राष्ट्रपति कार्टर द्वारा पनामा सरकार को नहर पर नियंत्रण देने का कदम एक गलती थी।

डोनाल्ड ट्रम्प ने पनामा के लोगों के खिलाफ अभियान जारी रखा है। उनका कहना है कि पनामा नहर का उपयोग करने के लिए पनामा अमेरिका से बहुत अधिक शुल्क ले रहा है। ट्रम्प का दावा है कि पनामा नहर को अमेरिकी धन से बनाया गया था।

दोनों देशों के बीच उलझे हुए रिश्तों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनाव नियमों में संशोधन, सुप्रीम कोर्ट पहुँची कांग्रेस

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। सी.सी.टी.वी. कैमरा तथा वैबकास्टिंग फुटेज के साथ-साथ उम्मीदवारों की रिकॉर्डिंग्स जैसे इलैक्ट्रॉनिक डॉक्युमैंट्स का सार्वजनिक निरीक्षण रोकने के लिए सरकार ने गत शुक्रवार को चुनाव नियमों में बदलाव किया था। एक अधिसूचना द्वारा किए गए इस संशोधन के बाद चुनाव से संबंधित सभी दस्तावेज़ अब जनता के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने

- **केन्द्र सरकार ने सी.सी.टी.वी. और वैबकॉस्टिंग फुटेज की जाँच पर रोक लगाने के लिए गत शुक्रवार को चुनाव नियमों में बदलाव कर दिया था।**

पोल पैनल पर आरोप लगाया है कि उन्होंने एकतरफा निर्णय लेकर ''जल्दबाजी'' में संशोधन किया है। उन्होंने यह उम्मीद जताई है कि सुप्रीम कोर्ट ''नष्ट हो रही'' चुनाव प्रक्रिया को बहाल करेगा। कांग्रेस ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें पार्टी ने ''कन्डक्ट ऑफ इलैक्शन रुल्स, 1961'', में हाल ही में किए गए संशोधनों को चुनौती दी है तथा पुरजोर ढंग से कहा है कि चुनावी प्रक्रिया में सत्यनिष्ठा तेजी से कम हो रही है।

जयराम रमेश ने कहा कि चुनाव आयोग, जिस पर स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव करवाने की जिम्मेवारी है, ऐसे महत्वपूर्ण कानून में बदलाव करने का जल्दबाजी में एकतरफा निर्णय नहीं ले सकता।

जे.पी. नड्डा के आवास पर आज होगी एन.डी.ए. की मीटिंग

शाह की टिप्पणी के मुद्दे पर उग्र विपक्ष के खिलाफ जवाबी रणनीति तैयार करने के लिए बैठक बुलाई गई है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। डॉ. भीमराव अम्बेडकर पर गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणी को लेकर विवाद के बीच, एन.डी.ए. के सभी पार्टनर बुधवार को भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के निवास पर इकट्ठे होकर मीटिंग करेंगे तथा विवाद की काट करने की रणनीति पर विचार करेंगे।

इस समय, भाजपा के सामने कई बड़े मुद्दे हैं। भाजपा को कुछ महत्वपूर्ण एवं निर्णायक मुद्दों पर एन.डी.ए. पार्टनर्स के साथ मित्रता के माहौल में एक एकीकृत रणनीति की आवश्यकता है। इन मुद्दों में शामिल हैं- ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' विधेयक तथा ''वक्फ संशोधन'' विधेयक। ये दोनों ही विधेयक विस्तृत संवीक्षा के लिये संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजे हुये हैं।

प्रधानमंत्री के रुप में नरेन्द्र मोदी के इस तीसरे कार्यकाल में लोकसभा की संरचना बदली हुई है। इस वजह से भाजपा नेतृत्व छोटे-बड़े सभी मुद्दों पर अपने सभी मित्र दलों को साथ लेकर चलने की जरुरत के विषय में बहुत सावधानी से काम लेता प्रतीत हो रहा है। भाजपा ज्यादा सचेत खासतौर से इसलिये भी है क्योंकि विपक्षी नेता अम्बेडकर पर शाह की टिप्पणी के सम्बंध में भाजपा और एन.डी.ए. पार्टनरों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

- **प्र.मंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल को लोकसभा में समीकरण बदल गए हैं। अब घटक दलों पर निर्भरता बढ़ गई है। यही कारण है कि भाजपा एन.डी.ए. की बैठक बुला रही है, ताकि घटक दलों को छिटकने से रोका जा सके।**
- **भाजपा को ''एक राष्ट्र एक चुनाव बिल'' और वक्फ संशोधन बिल पर सहयोगी दलों की सख्त जरूरत है।**
- **इसके अलावा भाजपा को आशंका है कि शाह की अंबेडकर संबंधी टिप्पणी पर कहीं सहयोगी दल विपक्षी दलों की बातों में न आ जाएं।**

पूर्व प्रधानमंत्री तथा भाजपा के दिग्गज नेता रहे अटल बिहारी वाजपेयी की 100 वीं वर्षगाँठ वाले दिन हो रही इस मीटिंग में, भाजपा गठबन्धन पार्टनरों के सम्मुख एक समझौता प्रस्ताव रखने की तैयारी में दिखाई दे रही है। सूत्रों का कहना है कि ऐसी संभावना है कि आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिये, भाजपा अपने गठबन्धन पार्टनरों - जनता दल यूनाइटेड (जे.डी.यू.) तथा चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) को कुछ सीटों की पेशकश करेगी। भाजपा के लिये बिहार की इन दोनों पार्टियों को प्रसन्न रखना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि बिहार के विधानसभा अगले वर्ष ही होने हैं।

जहाँ प्रधानमंत्री के रुप में मोदी के प्रथम दो कार्यकालों में एन.डी.ए. की मीटिंग बहुत की कम हुई थीं, वहीं, भाजपा नेतृत्व इस बार, तर्कसंगत कारणों से, इस प्रकार की मीटिंगें करने पर विशेष ध्यान दे रहा है। अभी -अभी समाप्त हुये संसद के शीतकालीन सत्र में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एन.डी.ए. पार्टनरों से कहा था कि बेहतर समन्वय बनाये रखने के लिये हर महीने मीटिंग हुआ करेगी।

इस वर्ष हुये लोकसभा चुनावों में, अपने बलबूते पर लोकसभा में बहुमत लाने में भाजपा की असफलता मानसिक रुप से पार्टी को सहज नहीं होने दे रही, जबकि अभी हाल ही में, उसने हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव जीते हैं। विपक्ष, लोकसभा में अच्छे संख्याबल के चलते, भाजपा के सामने चुनौतियाँ खड़ी करता आ रहा है। अगर आगामी महीनों और वर्षों में कुछ राज्यों में भाजपा को हार का मुँह देखना पड़ा, तो उसकी हालत और ज्यादा खराब हो जायेगी।

बेलगांव में 26 दिसम्बर 1924 को महात्मा गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बने थे

पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने बताया, सभी जिलों में कांग्रेस सप्ताह भर आंदोलन करेगी, फिर राष्ट्रपति मुर्मू को ज्ञापन देकर शाह के इस्तीफे की मांग करेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। बेलागावी (अब बेलगाँव) में कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में महात्मा गांधी के चुनाव का स्मरणोत्सव मनाने के उद्देश्य से, कांग्रेस बेलगाँव में कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यू.सी.) की विस्तृत मीटिंग आयोजित कर रही है। इस ऐतिहासिक मीटिंग में करीब 200 पार्टी-नेता शामिल होंगे।

कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि 26 दिसम्बर को अपरान्ह 2:30 बजे बेलगाँव के महात्मा गांधी नगर में ''नव सत्याग्रह बैठक'' होगी। इससे एक दिन बाद 27 दिसम्बर को वहाँ ''जय बापू, जय भीम, जय संविधान'' सभा होगी, जिसमें लाखों कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल होंगे। वेणुगोपाल ने कहा कि वस्तुतः यह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का एक

- **बेलगांव में कांग्रेस कार्य समिति की नव सत्याग्रह बैठक हो रही है। इसके अगले दिन ''जय बापू, जय भीम, जय संविधान'' रैली होगी।**
- **कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि बेलगांव का कांग्रेस के लिए ऐतिहासिक महत्व है। सौ साल पहले 26 दिसम्बर 1924 को यहीं महात्मा गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बने थे और सेवा दल की शुरुआत भी यहीं से हुई थी।**

अविस्मरणीय कार्यक्रम होने जा रहा है, जब पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में अपने महान नेता महात्मा गांधी की अध्यक्षता के 100वें वर्ष का सुखद स्मरणोत्सव मनायेगी।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि महात्मा गांधी ने 100 वर्ष पूर्व बेलगांव से ही सत्याग्रह की घोषणा की थी और 100 वर्ष बाद, उसी दिन कांग्रेस 'नव सत्याग्रह'' का प्रस्ताव पेश करने जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी कांग्रेस सांसद और पार्टी कार्यकर्ता 27 दिसम्बर को वहाँ उपस्थित होंगे।

उन्होंने कहा कि यह मीटिंग, ढाई साल पहले उदयपुर में हुये चिन्तन शिविर की तरह, एक ऐतिहासिक मीटिंग का रूप लेने जा रही है। ज्ञातव्य है कि ''भारत जोड़ो यात्रा'' का विचार उसी चिन्तन शिविर की देन था।

पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने सभी जिलों में एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आरिफ मोहम्मद खान बिहार के राज्यपाल बने

नई दिल्ली, 24 दिसंबर। भारत के राष्ट्रपति ने कुछ राज्यों के राज्यपालों की नियुक्तियां की हैं। डॉ हरि बाबू कंभमपति, जो मिज़ोरम के राज्यपाल थे, अब ओडिशा के राज्यपाल नियुक्त किए गए हैं।

पूर्व सेना प्रमुख, जनरल वीके सिंह को मिजोरम का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। आरिफ मोहम्मद खान अब बिहार के राज्यपाल होंगे।

बिहार के राज्यपाल राजेंद्र

- **पांच राज्यों के राज्यपाल बदले।**

विश्वनाथ अर्लेकर को केरल का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं, केरल के पूर्व राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान अब बिहार के राज्यपाल होंगे। इसके अलावा, अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

इन नियुक्तियों के साथ, संबंधित राज्यों में प्रशासनिक ढांचे में बदलाव आएगा और राज्यपाल नए पदभार संभालेंगे।

भारत अमेरिका के उद्योगपतियों को भारी रियायतें देने की तैयारी में है

भारत अमेरिका से आयातित ''पोर्क'' (सूअर का मांस) मेडिकल उपकरण, लग्ज़री मोटर साइकिल आदि, पर, वर्तमान में लगी भारी कस्टम ड्यूटी को घटायेगा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प जब पद ग्रहण करेंगे, उस समय भारत अमेरिकन निर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण राहत का प्रस्ताव देने की तैयारी कर रहा है। कुछ खास प्रकार के अमेरिकी सामानों पर शुल्क घटाने की भी योजना है, जैसे पोर्क, चिकित्सकीय उपकरण और लग्ज़री मोटर साईकिल आदि। इसका उद्देश्य संभावित प्रतिस्पर्धी करों को संबोधित करना और व्यापक व्यापार और निवेश समझौते की राह आसान करना।

ग्लोबल ट्रेड गतिशीलता के संभावित बदलाव को पहचान कर खासकर चीन के आयात पर ट्रम्प द्वारा 60 प्रतिशत टैक्स लगाने की घोषणा करने को ध्यान में रखते हुए भारत का उद्देश्य खुद को निर्माण निवेशों के लिए अनुकूल विकल्प के रूप में स्थापित करना है।

- **जैसा कि विदित ही है, ट्रम्प का चीन से अमेरिका में आयात होने वाले माल पर 60 प्रतिशत कस्टम ड्यूटी लगाने का इरादा है। इससे चीन का माल महंगा हो जायेगा अमेरिका में।**
- **भारत, चीन के इस महंगे माल की तुलना में अपने उपकरण व उत्पाद आदि को अमेरिकी औद्योगिक शृखंला का हिस्सा बनाना चाहता है।**
- **अमेरिका को लुभाने के लिये भारत, अमेरिका से भारत में आयातित होने वाले सामान पर कस्टम ड्यूटी कम कर देना चाहता है।**
- **अगर, भारत का अमेरिका से आयात बढ़ेगा, तो स्वतः ही व्यापारिक संतुलन बनाये रखने के लिये, अमेरिका भी भारत से आयात बढ़ायेगा और, अमेरिका की औद्योगिक शृंखला में भारत में उत्पन्न सामान को हिस्सा मिल जायेगा।**

अमेरिकन निवेशकों को आकर्षित करने के लिए भारत विमानों के रख रखाव, सेमी कंडक्टर्स और अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में प्रोत्साहन देने पर विचार कर रहा है। जो कंपनियां अपने निर्माण को नए आयामों पर ले जाना चाहती हैं, उनके लिए भारत को आकर्षक विकल्प बनाने का लक्ष्य है।

भारत सरकार बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफ.डी.आई. की अनुमति देने पर भी विचार कर रही है और अर्थव्यवस्था को ज्यादा उदार बनाकर अमेरिकन निवेश को आकर्षक बनाने की प्रतिबद्धता का संकेत दे रही है।

व्यापारिक असंतुलन को ठीक करने के लिए भारत अमेरिका से हर साल 5 से 10 अरब डॉलर की लिक्विफाइड नैचुरल गैस और रक्षा उपकरणों का आयात करने पर विचार कर रही है। इससे द्विपक्षीय व्यापारिक रिश्ते मजबूत होंगे और भारत की इस इच्छा का भी संकेत मिलता है कि वह प्रतिस्पर्धी व्यापार में दिलचस्पी रखता है।

भारत का लक्ष्य अमेरिका की आपूर्ति शृंखला से गहरा जुड़ाव रखना और दोनों देशों के बीच परस्पर आर्थिक निर्भरता को बढ़ाना है। ये प्रोत्साहन देना भारत उन अमेरिकी निर्माताओं को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विवाहिता बेटी को अनुकंपा नियुक्ति देने का आदेश बरकरार

जयपुर, 24 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने विवाहिता बेटी को पिता की जगह अनुकंपा नियुक्ति का हकदार मानने वाले एकलपीठ के आदेश को बरकरार रखा है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में दायर राज्य सरकार

- **हाई कोर्ट की खंडपीठ ने एकल पीठ के आदेश को कायम रखते हुए इसके खिलाफ दायर सरकार की अपील को खारिज कर दिया है।**

की अपील को खारिज कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हमने तो जस्टिस रोहिन्टन एफ. नरीमन और जस्टिस के. मैथ्यु जोसफ के नाम दिए थे'

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति पर विरोध जताते हुए राहुल गांधी ने कहा, सरकार ने हमारे प्रस्ताव पर विचार तक नहीं किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे तथा राहुल गांधी ने ''राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग'' के सदस्यों और अध्यक्ष के चयन पर अपना विरोध दर्ज करा दिया था।

उन्होंने आयोग के अध्यक्ष पद के लिये जस्टिस रोहिन्टन फली नरीमन तथा जस्टिस कुट्टियिल मैथ्यू जोसफ के नाम प्रस्तावित किये थे। लेकिन विपक्ष के सुझाव की उपेक्षा करते हुये, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने एन.एच.आर.सी. के नये अध्यक्ष पद के रूप में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज वी. रामासुब्रमन्यम को नियुक्त कर दिया है।

एन.एच.आर.सी. के अध्यक्ष एवं सदस्यों के चयन के लिये चयन समिति की मीटिंग 18 दिसम्बर को संसद भवन में हुई थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली इस हाई पावर कमेटी में सदस्य के रूप में शामिल थे- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, गृह मंत्री अमित शाह, लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे।

खड़गे और राहुल का आरोप है कि विचार-विमर्श को प्रोत्साहित करने तथा सामूहिक निर्णय सुनिश्चित करने

- **राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे, जो चयन समिति के सदस्य हैं, ने कहा कि सरकार ने पहले ही तय कर रखा था किसे अध्यक्ष बनाना है।**
- **प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली इस समिति के सदस्य हैं, गृह मंत्री शाह, लोकसभा स्पीकर बिड़ला, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता खड़गे।**
- **केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश वी. रामासुब्रमण्यम को नियुक्त किया है।**

के बजाय, कमेटी ने नाम को अंतिम रूप देने के लिये संख्यात्मक बहुमत पर भरोसा किया तथा मीटिंग के दौरान उठाये गये वाजिब सरोकारों तथा परिप्रेक्ष्यों पर ध्यान ही नहीं दिया।

असहमति की टिप्पणी में कहा गया कि मैरिट निश्चित रूप से प्राथमिक शर्त होती है, लेकिन राष्ट्र की क्षेत्रीय, जातीय, समुदया संबंधी तथा धार्मिक विविधता को दर्शाने वाला संतुलन बनाये रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है।

अठारह दिसम्बर को दिये गये विरोध सूचना टिप्पणी (डिसेन्ट नोट) में कहा गया, ''अंत में, आज की मीटिंग में चयन समिति द्वारा अपनाया गया विचार-विमर्श पर ध्यान नहीं देने का तौर-तरीका अत्यधिक दुखद है। एन.एस.आर.सी. की विश्वसनीयता तथा प्रभावकारिता, विविधतापूर्ण एवं समावेशी होने, जो भारत के संविधान की प्रकृति को परिभाषित करते हैं, की सामर्थ्य पर निर्भर होती है।''

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय के रिटायर्ड जज रामासुब्रमण्यम को एन.एच.आर.सी. का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया।

प्रियांक कानूनगो तथा डॉ. जस्टिस बिद्युत रंजन सारंगी (रिटायर्ड) एन.एच.आर.सी. के सदस्य नियुक्त किये गये।

कार और बस की आमने-सामने भिड़ंत

करौली, 24 दिसम्बर (निस)। गंगापुर सड़क मार्ग पर सलेमपुर गांव के पास स्विफ्ट डिज़ायर कार और बस में आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिससे कार में सवार 5 महिला -पुरुषों की मृत्यु हो गई।बस में सवार करीब डेढ़ दर्जन महिला पुरुष घायल हो गए। जानकारी के

- **गंगापुर रोड पर सलेमपुर गाँव के पास हुए इसे हादसे में कार में सवार 5 महिला-पुरुषों की मौत हो गई, डेढ़ दर्जन बस यात्री घायल हो गए।**

अनुसार, करौली की ओर से कार गंगापुर की तरफ जा रही थी। प्राइवेट बस गंगापुर से करौली की तरफ आ रही थी। गंगापुर और सलेमपुर के बीच स्थित छात्रावास के पास दोनों वाहन आमने-सामने से टकरा गए। हादसे में कार चालक सहित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पालिका ने देवली की गौशाला के नाम 50 लाख का टेंडर जारी कर अन्य स्थान पर निर्माण करवाया

गौशाला में निर्माण कार्य करवाने को लेकर पालिका ने चार माह पहले टेंडर प्रक्रिया लागू कर दी थी

देवली, (निसं)। यहां गणेश रोड स्थित गौशाला में निर्माण कार्य करवाने को लेकर पालिका ने लगभग चार माह पहले 17 अगस्त 2024 को 50 लाख की राशि स्वीकृत जारी करके टेंडर प्रक्रिया लागू कर दी गई थी।

इसी क्रम में 27 अगस्त 2024 को संवेदकों ने पालिका की शर्तों और नियमों के तहत टेंडर प्रक्रिया में हिस्सा लिया था। उक्त दौरान 28 अगस्त 2024 को पालिका प्रशासन ने देवली शहर के गणेश रोड स्थित गौशाला में चारदीवारी, पशु चिकित्सालय एवं टीनशेड निर्माण के लिए अनुमति की प्रक्रिया शुरू कर दी थी और इसके बाद उक्त कार्य को प्राप्त करने वाले संवेदक को कार्य आदेश जारी भी कर दिए गए थे। इसी के बीच सोमवार को मामला यह सामने आया कि चारदीवारी, चिकित्सालय और टीनशेड का निर्माण तो दूर की बात, यहां गणेश रोड स्थित पंजीयन गौशाला में देवली पालिका की ओर से अब तक एक भी ईट नहीं लगाई गई है। जबकि सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार गणेश रोड स्थित गौशाला में निर्माण के नाम भुगतान तक किया जा रहा है।

यहां गणेश रोड स्थित रजिस्टर्ड गौशाला कमेटी के मंत्री अरविंद शर्मा ने जानकारी में बताया कि देवली में गणेश रोड स्थित सार्वजनिक गौशाला में नगर पालिका की ओर से कोई निर्माण कार्य नहीं करवाया जा रहा है। इसी मामले को लेकर यहां लोगों के बीच कई समय से चर्चा बनी हुई है कि आखिरकार पालिका प्रशासन यहां और किस रजिस्टर्ड गौशाला में 50 लाख रुपए की लागत का निर्माण करवा रही है। इसलिए की देवली के गणेश रोड पर केवल एक ही रजिस्टर्ड गौशाला संस्था है। जिसकी देखरेख गौशाला कमेटी द्वारा ही की जा रही है।

■ **देवली में गणेश रोड स्थित गौशाला के नाम 50 लाख रुपए की निविदा जारी हुई थी, लेकिन रजिस्टर्ड गौशाला में एक ईंट भी नहीं लगाई गई है**

ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिरकार गणेश रोड स्थित गौशाला के नाम स्वीकृत 50 लाख की राशि की पूर्ति कहां की जा रही है। यहां देखने वाली बात तो यह भी सामने आई है कि उक्त दौरान निकल गई ई-निविदा सूचना संख्या (02/2024-25) निविदा प्रपत्र पर कोई दिनांक अंकित नहीं की हुई है। ऐसे में लोगों को यह भी आशंकाएं व्याप्त हो रही है कि शायद कहीं ना कहीं सरकारी कोष को चूना लगाने की नीयत से पालिका प्रशासन ने गणेश रोड स्थित रजिस्टर्ड गौशाला के नाम की आड में सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए उक्त धन को अन्य क्षेत्र में खर्च करने करने की नीति बना दी गई हो।

इस मामले जानकारी लेने के लिए जब पालिका अधिशासी अधिकारी सुरेश कुमार मीणा से मोबाइल पर संपर्क किया गया तो उन्होंने पहले तो अपने आप को जनसुनवाई मीटिंग में बैठे होना बताया। फिर बाद में मीडिया के फोन को रिसीव करना तक उचित नहीं समझा।

ऐसे में उक्त मामला कहीं ना कहीं जांच का विषय बनता है तो वहीं उल्लेखनीय है कि पालिका द्वारा के यहां करवाए जा रहे विकास कार्य में भ्रष्टाचार की परत दर परत साफ तौर पर देखी जा सकती है।

थानाधिकारी एवं कांस्टेबल के कहने पर प्राईवेट व्यक्ति ने रिश्वत ली

प्राईवेट व्यक्ति को परिवादी से 45 हजार रुपये रिश्वत के रूप में लेते हुये पकड़ा

ब्यावर/जयपुर। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. की स्पेशल यूनिट अजमेर इकाई द्वारा सोमवार देर रात ब्यावर के बदनौर पुलिस थाना में कार्रवाई करते हुये नारायण सिंह खिड़िया, उपनिरीक्षक थानाधिकारी एवं अशोक कुमार कांस्टेबल, पुलिस थाना बदनौर, जिला ब्यावर के लिये उनके परिचित कैलाश गुर्जर (प्राईवेट व्यक्ति) को परिवादी से 45 हजार रुपये रिश्वत के रूप में लेते हुये पकड़ा है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की स्पेशल यूनिट अजमेर इकाई को परिवादी द्वारा एक शिकायत इस आशय की दी गई कि उसके भाई व भतीजे के विरूद्ध दर्ज एन.डी.पी.एस. के मुकदमे में गिरफ्तार करने पर मारपीट नहीं करने एवं जे. सी. कराने की एवज में आरोपी नारायण सिंह खिड़िया, उपनिरीक्षक थानाधिकारी एवं अशोक कुमार कांस्टेबल द्वारा 3 लाख रुपये रिश्वत मांगकर परेशान किया जा रहा है तथा ब्यूरो द्वारा शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोपी 1 लाख रुपये रिश्वत लेने पर सहमत हुये थे। जिस पर एसीबी अजमेर के उप महानिरीक्षक पुलिस कालूराम रावत के सुपरवीजन में ए.सी.बी. की अजमेर इकाई की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना भाटी के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज स्पेशल यूनिट अजमेर इकाई के उप अधीक्षक पुलिस राकेश कुमार वर्मा द्वारा मय टीम के देर रात जिला ब्यावर के बदनौर में ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी अशोक कुमार कांस्टेबल के कहने पर उसके परिचित कैलाश गुर्जर (प्राईवेट व्यक्ति) को परिवादी से 45 हजार रुपये (5 हजार रुपये प्रचलित भारतीय मुद्रा एवं 40 हजार के डमी केरेंसी नोट) रिश्वत के रूप में लेते पकड़ा।

■ **उपनिरीक्षक थानाधिकारी एवं कांस्टेबल मौके से फरार, तलाश जारी**

मौके पर जानकारी करने पर पता चला कि आरोपी के परिचित कैलाश गुर्जर की रिश्वत मांग में संलिप्तता नहीं थी तथा रिश्वत राशि के बारे में वह अनभिज्ञ था, अत: मौके पर उसके कथन लेखबद्ध कर एवं पूछताछ के बाद छोड़ा गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपी शिकायत के सत्यापन के दौरान भी परिवादी से 40 हजार रुपये रिश्वत के रूप में वसूल चुके थे। आरोपी नारायण सिंह खिड़िया, उपनिरीक्षक थानाधिकारी एवं अशोक कुमार कानिस्टेबल ए.सी.बी. कार्यवाही की भनक लगने पर मौके से फरार हो गये, जिनकी तलाश की जा रही है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरवीजन में आरोपी की तलाश एवं कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

सर्दी से जन जीवन प्रभावित

निवाई, (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र सहित शहर में पिछले एक सप्ताह से पड़ रही कड़ाके की सर्दी व शीतलहर से जनजीवन प्रभावित होने लगा है।

इस दौरान कड़ाके की सर्दी से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिसके चलते लोगों को अब धूप सुहावनी लगने लगी है। कड़ाके की सर्दी व शीतलहर से बाजारों में शाम के समय जल्दी ही सन्नाटा होने लगा है। सर्दी से बचाव के लिए लोग घंटों तक अलाव जलाकर तापते हुए नजर आए। बाजारों में स्थित दुकानों पर गरम कपड़ों की खरीददारी हो रही है। बाजारों एवं राष्ट्रीय राजमार्ग पर घूमने वाले दुपहिया वाहन चालक सर्दी के बचाव के लिए सुबह-शाम के समय हाथों के दस्ताने एवं गरम कपड़े पहने हुए दिखाई देते हैं। वहीं गांवों में भी घने कोहरे के साथ ठण्डी हवा चलने से कड़ाके की सर्दी से लोग कंपकंपा उठे। घने कोहरे के चलते यातायात सहित ट्रेनें भी प्रभावित होने लगी है।

लेपर्ड ने मां के सामने बेटी पर हमला किया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में लेपर्ड का आंतक दिनों-दिन बढ़ता ही जा रहा है। मंगलवार को आदिवासी अंचल गोगुंदा क्षेत्र में एक बार फिर से लेपर्ड ने मां के सामने बेटी पर हमला कर दिया। मां के चिल्लाने पर लेपर्ड भाग गया। हमले में घायल युवती को हॉस्पिटल ले जाया गया।

घटना गोगुंदा पंचायत समिति मुख्यालय से करीब आठ किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भूताला के गांव पाचावतों की भागल की है। वहीं दूसरी और शहर से सटे सीसारमा गांव जाने वाले सड़क पर देर रात लेपर्ड सड़क पार करता हुआ दिखाई दिया। कार चालक के सामने से सड़क पार करते लेपर्ड का वीडियो सामने आया है। दूधतलाई से सीसारमा जाने वाली रोड पर इससे पहले भी लेपर्ड देखा जा चुका है।

ग्राम पंचायत भूताला के गांव पाचावतों की भागल की रहने वाली घीसी बाई और उसकी बेटी अनिता कुंवर (17) खेत में घास काट रही थी। इस दौरान अचानक लेपर्ड आया और अनिता पर हमला कर दिया। लेपर्ड ने युवती पर झपट्टा मारा। ये देखकर मां चीखने लगी हालांकि मां के चीखने से लेपर्ड युवती को छोड़कर भाग गया लेकिन पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। आवाज सुनने के बाद ग्रामीण इकठ्ठा हो गए। इसके बाद युवती के पिता घायल युवती को गोगुंदा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए। वहां पर प्राथमिक उपचार के जिला अस्पताल रेफर किया गया। ग्राम पंचायत के लोगों द्वारा लेपर्ड के हमले की जानकारी वन विभाग को दी गई। इस पर वन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंची। लेपर्ड के बढ़ते मूवमेंट को देखते हुए ग्रामीणों ने वन विभाग ने पिंजरा लगाने की मांग की है।

■ **वहीं शहर से सटे सीसारमा गांव जाने वाली सड़क पर देर रात लेपर्ड सड़क पार करता दिखाई दिया**

भूताला पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने बताया कि दो दिन पहले भी नेतावलों की भागल में एक बाडे में लेपर्ड आया था। लोगों के शोर मचाने पर भाग गया था। सरपंच ने बताया कि वन विभाग की टीम ने एक दिन पहले ही यहां आकर निरीक्षण किया था। उसके बाद एक बार फिर से लेपर्ड ने युवती पर हमला कर दिया।

क्रिकेट स्टेडियम निर्माण में करोड़ों का घोटाला उजागर

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के महाराणा प्रताप खेलगांव, चित्रकूट नगर में क्रिकेट स्टेडियम निर्माण में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने 2011 में दर्ज प्रकरण की गहन जांच के बाद चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों में सरकारी अधिकारी और एक प्रमुख ठेकेदार शामिल हैं।

प्रकरण के अनुसार एसीबी की जांच में निर्माण कार्यों में निर्धारित मापदंडों और गुणवत्ता मानकों की गंभीर अनदेखी सामने आई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों देवेश कुमार शर्मा, तत्कालीन सहायक अभियंता नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (वर्तमान में अजमेर विकास प्राधिकरण में अतिरिक्त मुख्य अभियंता), विमल कुमार मेहता तत्कालीन कनिष्ठ अभियंता नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (सेवानिवृत्त) व मुकेश जानी तत्कालीन सहायक अभियंता, नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (सेवानिवृत्त) तथा हेमराज वरदार ठेकेदार और निदेशक मैसर्स प्रमाण कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड उदयपुर शामिल है।

■ **एसीबी ने एक ठेकेदार व तीन इंजीनियरों को गिरफ्तार किया**

■ **महाराणा प्रताप खेलगांव के क्रिकेट स्टेडियम निर्माण का है मामला**

■ **12 साल जांच के बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने खुलासा किया**

तकनीकी समिति की रिपोर्ट, फॉरेंसिक साइंस लैब जयपुर की जांच और पीडब्ल्यूडी उदयपुर की गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला की रिपोर्ट के अनुसारए स्टेडियम के निर्माण कार्य में निम्न गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग हुआ और निर्माण प्रक्रिया में भारी खामियां पाई गईं। निर्माण कार्यों में खर्च किए गए धन और जमीन पर हुए काम के बीच बड़े अंतर का भी खुलासा हुआ। यह दर्शाता है कि अधिकारियों और ठेकेदार की मिलीभगत से सरकारी धन का दुरुपयोग किया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि मामले में अभियोजन स्वीकृति प्राप्त होने के बाद एसीबी उदयपुर की टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई एसीबी के उप महानिरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद गोयल और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनंत कुमार के नेतृत्व में हुई। चारों आरोपियों को विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम), उदयपुर के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक, स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में मामले की विस्तृत जांच जारी है। एसीबी अन्य संदिग्ध व्यक्तियों की भूमिका का पता लगाने और घोटाले में शामिल धनराशि की वसूली के लिए प्रयासरत है।

साइबर ठगी का आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा पुलिस ने ऑपरेशन एंटीवायरस के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना भीमगंज से साइबर ठगी के आरोपी को गिरफ्तार किया है।

एसपी धर्मेन्द्र सिंह यादव के निर्देशन में भीलवाड़ा पुलिस द्वारा ऑपरेशन एंटीवायरस के तहत साइबर ठगी की रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान जतिन जैन आई.पी.एस. (प्रो.) के नेतृत्व में महाराष्ट्र, ओड़िशा व उत्तराखंड में साइबर ठगी की शिकायतों में वांछित आरोपी वाहिद हुसैन पिता हाफिज मोहम्मद सद्दीक निवासी अनमोल नगर, पुलिस थाना भीमगंज, जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी से 29 डेबिट/क्रेडिट कार्ड, 9 स्कैनर, 11 बैंक पासबुक/चेक बुक, 3 पेनड्राइव, 1 कार्ड रीडर, 5 सिम, 3 मोहर व अन्य कागजात मिले हैं, जिनमे फ्रॉड ट्रांजेक्शन का पता चला है। इस दौरान ग्लोबल बुक के नाम से भी एक क्यूआर कोड मिला है, जिसके बैंक के पूल अकाउंट पर 10036 शिकायतें व 223 एफआईआर होना ज्ञात हुआ है। ऐसे पूल अकाउंट के सम्बन्ध में सम्बंधित बैंक नोडल से संपर्क कर जांच की जा रही है।

महाराजा गंगासिंह युनिवर्सिटी में खुलेआम रिश्वत बांटने का मामला सामने आया

परीक्षा करवाने वाली फर्म के प्रतिनिधि सात लाख रुपए लेकर पहुंचे, एबीसी ने फर्म कर्मचारी को दबोचा

बीकानेर, (निसं)। महाराजा गंगासिंह युनिवर्सिटी में खुलेआम रिश्वत बांटने का मामला सामने आया है। एंटी करप्शन ब्यूरो ने एक प्राइवेट फर्म के एक कर्मचारी को दबोचा है, जिनसे सात लाख रुपए बरामद हुए हैं। ये रुपए यहां कर्मचारियों में बांटने की बात सामने आ रही है। ये फर्म पिछले दो साल से यहां परीक्षा सहित अनेक काम कर रही है। फर्म अजमेर की है और इसी फर्म के कर्मचारी मनोज सांखला से पूछताछ की जा रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के एडिशनल एसपी आशीष कुमार ने बताया कि माइक्रोटिक टेक्नोलॉजी कंपनी को विश्वविद्यालय से परीक्षा संबंधित काम का टेंडर मिला हुआ है। इस कंपनी का प्रतिनिधि यहां रिश्वत की राशि देने के लिए आया था। इसी संबंध में सडन चैकिंग की गई थी। कंपनी के प्रतिनिधि से हमें लगभग सात लाख रुपए बरामद हुए हैं। ये रुपए किसे देने थे इसकी जांच की जा रही है। रुपए आगे किसे-किसे दिए जाने हैं, ये अभी जांच का विषय है। कंपनी का जो कर्मचारी पकड़ा गया है, उसने बताया कि दो कर्मचारियों को रुपए देने के लिए आया था। परीक्षा से जुड़े कार्यों के लिए रुपए देने आए थे या फिर किसी अन्य कार्य के लिए देने थे, इस बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं है। इस बारे में कुलपति मनोज दीक्षित से संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन उनका मोबाइल स्वीच ऑफ मिला।

■ **यह फर्म पिछले दो साल से यहां परीक्षा सहित अनेक काम कर रही है, फर्म अजमेर की है और इसी फर्म के कर्मचारी मनोज सांखला से पूछताछ की जा रही है**

■ **'माइक्रोटिक टेक्नोलॉजी कंपनी को विश्वविद्यालय से परीक्षा संबंधित काम का टेंडर मिला हुआ है, इस कंपनी का प्रतिनिधि यहां रिश्वत की राशि देने आया था'**

वहीं परीक्षा नियंत्रक राजाराम चोयल का कहना है कि ये फर्म परीक्षा से जुड़ा काम ही नहीं करती, बल्कि प्रवेश सहित सभी आउट सोर्स के काम करती है। कार्रवाई के संबंध में एसीबी के अधिकारी ही जानकारी दे सकते हैं, हमारे से संबंधित कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

जानकारी के अनुसार महाराजा गंगासिंह युनिवर्सिटी में परीक्षा से जुड़े सभी काम अजमेर की प्राइवेट फर्म करती है। इसमें ऑनलाइन एडमिशन फॉर्म भरवाने से लेकर परीक्षा के बाद कॉपी जांच और नंबर तक चढ़ाने के काम प्राइवेट फर्मों के पास ही है। अब इन फर्मों की भूमिका संदिग्ध होती जा रही है। उधर, सूचना मिल रही है कि युनिवर्सिटी में कई बाहरी लोगों का जबर्दस्त दखल पिछले कुछ समय में बढ़ गया है। ये लोग ही तय करते हैं कि किस काम का ठेका किसे मिलेगा और किस कॉलेज के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा से जुड़ी फर्म के कर्मचारी से सात लाख रुपए की घटना के बाद युनिवर्सिटी में हडकंप मच गया है।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no.0294-2426262 वेबसाइट- www-udaipurmc.org
क्रमांक : निविजा/2024-25/ई-27 दिनांक :- 24.12.2024
(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 27/2024-25
नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रु0 79.51 लाख के कुल 07 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 24.01.2024 एवं अंतिम तिथि 02.01.2025 तथा निविदा खुलने की तिथी 03.01.2025 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है। UBN No. UNP2425WSOB00155
राज.संवाद/सी/24/9480 अधीक्षण अभियन्ता, नगर निगम, उदयपुर

कार्यालय उपवन संरक्षक, करौली (राज.)
(गद्का की चौकी करौली Phone & Fax No. 07464-297003
Email: dcf.kroli.forest@rajasthan.gov.in)
Notice Inviting Bid
Bid for Boundry Wall Construction in Range Masalpur are invited from interested bidders. other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in and http://www.eproc.rajasthan.gov.in of the state.

क्र. सं.	कार्य का विवरण	यू.बी.एन.नम्बर	लागत लाखों में	जारी दिनांक	जमा व खोलने की दिनांक
1	दीवार निर्माण कार्य	UBN No FOR2425WSRC02964	29.78	16.12.2024	26.12.2024 व 27.12.2024

(सुमित बंसल)
DIPR/C/13286/2024 उप वन संरक्षक, करौली

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड सवाई माधोपुर
राजकीय आयुर्वेद औषधालय के पास, सामान्य चिकित्सालय परिसर, सवाई माधोपुर
फोन: 07462-233169 email-eemhswm@gmail.com
क्रमाक : 1978 दिनांक: 16/12/2024
ई-टेन्डिरिंग निविदा सूचना 23/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य के स.माधोपुर, बूंदी व गंगापुरसिटी में विभिन्न स्थानों पर रू. 208 लाख के 4 निर्माण कार्य / विद्युत कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में विद्युत कार्य / निर्माण कार्य हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।
UBN- 1. MHS2 425 WS0B04305, 2. MHS2425WSOB04306
3. MHS2425WSOB04307, 4. MHS2425WSOB04308
अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/13202/2024 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड सवाई माधोपुर

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर
स्वाथ्य भवन, त्यागी वाटिका,जेल वैल, बीकानेर, email-eemhbikaner@ymail.com
क्रमांक:- EE/MSH/BKN/2024-25/2162 दिनांक:-16/12/24
ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या:-26/2024-25
निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला बीकानेर में कुल रू. 775.58 लाख के 17 कार्य हेतु निविदा में बताये अनुसार श्रेणी के संवेदको के समकक्ष उपर्युक्त सिविल श्रेणी मे सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/ केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे/एमईएस इत्यादि मे पंजीकृत संवेदको जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त सिविल श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.org http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.inc.in पर देखा जा सकता है।
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर
UBN:- 1.NRH42425WSOBP1793, 2.NRH42425WSOBP1794, 3.NRH42425WSOBP1795
4.NRH42425WSOBP1797, 5.NRH42425WSOBP1799, 6.NRH42425WSOBP1800
7.NRH42425WSOBP1801, 8.NRH42425WSOBP1802, 9.NRH42425WSOBP1803
10.NRH42425WSOBP1804, 11.NRH42425WSOBP1805, 12.NRH42425WSOBP1807
13.NRH42425WSOBP1809, 14.NRH42425WSOBP1812, 15.NRH42425WSOBP1814
16.NRH42425WSOBP1817, 17.NRH42425WSOBP1820
DIPR/C/13197/2024

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग
प्रथम तल, स्वास्थ्य भवन, भीनमाल रोड़, जालोर
क्रमांक : अ.अ./चि.एव.स्वा/ 2024-25/3 ./चि.एव.स्वा/2024-25/3365-74 दिनांक : 16.12.2024
ई-निविदा सूचना संख्या 18/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सालयों पर रू. 644.80 लाख के 13 सिविल कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग/ रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्माण कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डिरिंग प्रक्रिया ऑन लाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधि विवरण डीआईपीआर की वैबसाईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वैबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है। NIB No. NRH2425A0456
1. NRH2425WSOB01806 8. NRH2425WSOB01818
2. NRH2425WSOB01808 9. NRH2425WSOB01819
3. NRH2425WSOB01810 10. NRH2425WSOB01821
4. NRH2425WSOB01811 11. NRH2425WSOB01822
5. NRH2425WSOB01813 12. NRH2425WSOB01823
6. NRH2425WSOB01815 13. NRH2425WSOB01824
7. NRH2425WSOB01816
(रणवीरसिंह कछवाहा)
अधिशाषी अभियंता
DIPR/C/13194/2024 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जालोर

राजस्थान सरकार
कार्यालय सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग करौली
वीणा मैमोरियल डिग्री कॉलेज के पास, बडौदा स्वरोजगार संस्थान के सामने, करौली
क्रमाक: जि.बा.सं.इ./करौली/2024/1354 दिनांक-16.12.2024
ई-निविदा आंमत्रण सूचना 01/2024-2025
मिशन वात्सल्य योजना अंतर्गत "चाइल्ड हेल्पलाईन सर्विस (1098)" (24x7) के संचालन के तहत् चाईल्ड हेल्प यूनिट (जिला स्तर-करौली) के संचालन हेतु 01 वर्ष के लिए जॉब बेसिस पर आवश्यकतानुसार मानव संसाधन उपलब्ध करवाने हेतु ई-निविदा पंजीकृत सवेदको / बोलीदाता से दिनांक 18.12.2024 से दिनांक 27.12.2024 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत सूचना वेबसाईट http:/eproc.rajasthan.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा अपलोड करने की दिनांक 18.12.2024 को 2.00 बजे।
UBN NO-CED2425SLRC00076
सहायक निदेशक
जिला बाल संरक्षण इकाई एवं
DIPR/C/13378/2024 बाल अधिकारिता विभाग करौली

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद धौलपुर
SEWDSC.DHOLPUR @RAJASTHAN.GOV.IN
क्रमांक-एमजेएसए/निविदा/2024-25/1406-09 दिनांक-16.12.2024
NOTICE INVITING BID
NIB No 08 YEAR 2024-25
Bids for NRM Works (MPT etc. under MJSA 2.0 Project Area in Block Rajakhera of Distt. Dholpur of estimated value INR 50.41 Lacs are invited from interested bidders up to 6.00 PM, 26-12-2024. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.
UBN-WSC2425WSOB00876
NIB NO-WSC2425A0434
(लाखन सिंह मीना)
अधीक्षण अभियन्ता
एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर
DIPR/C/13352/2024 जिला परिषद धौलपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, जयपुर- 302004
क्रमांक : JDA/IT (1377126)/ILL/2024/D-354 दिनांक: 24.12.2024
निविदा सूचना
NIB No.: JDA-IT-12:2024-25
UBN No.: - JDA2425SLOB00436
जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा "Hiring Services of Internet Lease Line" के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक 29/01/2025 को 03:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र का ऑनलाईन आवेदन व भूगतान जविप्रा पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि 27/01/2025 को 05:00 बजे तक है। निविदा की अनुमानित लागत रु 30.00 लाख है। निविदा प्रपत्र के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in and https://www.jda.rajasthan.gov.in/ पर देखा जा सकता है।
निविदा में भाग लेने हेतु निविदादाता को अनिवार्य रूप से निम्न प्रक्रिया अपनानी होगी:-
1. निविदा में भाग लेने एवं भुगतान जमा कराने हेतु निविदादाता को जविप्रा के 'Online Tender Participation' पोर्टल https://www.jda.rajasthan.gov.in या http://service.jaipurjda.org पर जविप्रा के सिंगल साईन ऑन के माध्यम से करना होगा।
2. राजस्थान सरकार के ई-प्रॉक्यूमेंट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करनी होगी। राज.संवाद/सी/24/9528 सिस्टम एनालिस्ट

राजस्थान सरकार
निदेशालय आयुर्वेद विभाग, राजस्थान-अजमेर
क्रमांक-प.1/आ.मि./निविदा/2024-25/7842-44
ई-बोली विज्ञप्ति वर्ष 2024-25
राजस्थान के महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से राजस्थान राज्य में स्थित, भारत सरकार/राजकीय मान्यता प्राप्त एवं एन.एबी.एल. अधिस्वीकृत औषध परीक्षण प्रयोगशालओं से निम्न विवरणानुसार कार्य हेतु अनुमाति रशि रू. 30.00 लाख में आयुर्वेद औषधियों के सेम्पल का परीक्षण कार्य हेतु ई-प्रोक्यूरमेनट प्रक्रिया से ऑनलाईन बोली आमंत्रित की जाती है। ऑनलाईन बोली फार्म डाउनलोड प्रारम्भ करने की दिनांक 17.12.2024 प्रात: 11.00 बजे से बोली फार्म अपलोड करने की अन्तिम दिनांक 26.12.2024 को दोपहार 1.00 बजे तक है।
राज्य वार्षिय कार्य योजना वर्ष 2024-25 के तहत 50 बेडेड राजकीय एकीकृत आयुश चिकित्सालय, अजमेर,भीलवाड़ा, जयपुर, सीकर, चुरू व बीकानेर के लिए उपकरण क्रय हेतु अनुमानित राशि 400 लाख एवं फर्नीचर क्रय हेतु 100 लाख की ई-प्रोक्यूरमेनट प्रक्रिया से ऑनलाईन बोली आमंत्रित की जाती है। ऑनलाईन बोली फार्म डाउनलोड प्रारम्भा करने की दिनांक 17.12.2024 प्रात: 11.00 बजे से बोली फार्म अपलोड करने की अन्तिम दिनांक 08.01.25 को दोपहर 1.00 बजे तक है।
बोली से सम्बन्धित समस्त: विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in.,sppp.rajasthan.gov.in एवं health.rajasthan.gov.in/ayurvad पर भी देखी जा सकती है।
1. आयुर्वेद औषधियों के सेम्पल का परीक्षण कार्य-UBN NO: AYU2425SLOB00222
2. फर्नीचर क्रय हेतु AYU2425GLOB00221
3. उपकरण क्रय हेतु AYU2425GLOB00220
DIPR/C/13241/2024 निदेशक

CHILD LINE 1098 NIGHT & DAY — आज़ादी का अमृत महोत्सव
राजस्थान सरकार
कार्यालय सहायक निदेशक, बाल अधिकारिता विभाग एवं जिला बाल संरक्षण इकाई धौलपुर (राज.)
पता:- प्रथम तल, सान्याअवि परिसर, आर.ए.सी. के पास, बजरिया रोड, धौलपुर, पिनकोड-328001
टेलिफोन नंबर- 05642-299112, ईमेल आईडी:- dlo.dcpudho@rajasthan.gov.in
क्रमांक:- 450 दिनांक:- 17.12.2024
ई-निविदा आमंत्रण सूचना 02/2024-25
निदेशालय बाल अधिकारिता विभाग जयपुर के आदेशानुसार जिले में चाइल्ड हैल्पलाईन 1098 यूनिट एवं रेल्वे चाइल्ड हैल्प डैस्क के संचालन के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेन्ट यूनिट (पीएमयू) संबंधित निविदा प्रक्रिया कर मानवसंसाधन जॉब बेसिस पर लिया जाना है, जिसके लिए Rajasthan Transparency In Public Procurement Act 2012 तथा Rajasthan Transparency In Public Procurement Rules 2013 के तहत् जॉब बेसिस पर कार्य कराने के लिए इच्छुक संवेदकों से निम्नानुसार ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. सं.	जॉब कार्य का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत रूपये	अमानत राशि रूपये	निविदा शुल्क	RISL प्रोसेस शुल्क
1	चाइल्ड हैल्प लाईन यूनिट हेतु प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर, काउंसलर, CHL सुपरवाईजर, केस वर्कर एवं रेल्वे चाइल्ड हैल्प डैस्क हेतु- CHLसुपरवाईजर, केस वर्कर।	3564000/-	71280/-	500/- रूपये	500/- रूपये

ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा प्रपत्र बिड डाटासीट इत्यादि अपलोड करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 28.12.2024 10:30 PM तक
अमानत राशि, निविदा शुल्क एवं RISL प्रोसेस शुल्क प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 28.12.2024 11:30 PM तक

निविदा शर्तें एवं दस्तावेज पोर्टल sppp.rajasthan.gov.in एवं eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।
NIB No.:- CED2425A00097
UBN No:- CED2425SLRC00073
(विश्व देव)
सहायक निदेशक
बाल अधिकारिता विभाग एवं
DIPR/C/13331/2024 जिला बाल संरक्षण इकाइ धौलपुर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड बाडी
क्रमांक :- 1496 दिनांक :- 17/12/24
निविदा सूचना संख्या: 07/2024-25
NIB code PWD2425A3344 and UBN is: PWD2425WSOB12299, PWD2425WSOB12300, PWD2425WSOB12301, PWD2425WSOB12302, PWD2425WSOB12303
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड बाडी जिला धौलपुर में कुल 5 नं. पर भवन कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों, राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए, "ए"बी"सी" एवं "डी" श्रेणी संवेदकों एवं केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए, "ए"बी"सी" एवं "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट "www.eproc.dipronlineorg" व http://www.pwd.rajasthan.gov.in/, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

क्र.सं.	मुख्यालय का नाम	कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड बाडी
1	निविदा का कार्य	भवन मरम्मत कार्य
2	निविदा की कुल लागत	रु. 58.34 लाख
3	निविदा शुल्क, प्रोसेंसिग शुल्क एवं धरोहर राशि जमा कराने की प्रक्रिया	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प. (5) / वित्त/साविलेनि/ 2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई-ग्रास चालान पर ऑनलाइन एक ही चालान द्वारा निम्न बजट मद में जमा करानी है। 1) निविदा शुल्क 0075-00-800-52-01 2) प्रोसेसिंग शुल्क 8658-00-102-(16)-02 (निर्माण विभाग) (RISL Fees) 3) धरोहर राशि 8443-00-108-00-00
4	निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख (बेवसाइट पर)	दिनांक 17.12.2024 प्रातः 11:00 बजे दिनांक 27.12.2024 सायं 3:00 बजे तक
5	निविदा फार्म जमा कराने की तारीख (बेवसाइट पर)	दिनांक 17.12.2024 प्रातः 11:00 बजे दिनांक 27.12.2024 सायं 3:00 बजे तक
6	निविदा खोलने की तारीख (बेवसाईट पर)	दिनांक 27.12.2024 सायं 06:00 बजे

(सौरभ शर्मा)
DIPR/C/13279/2024 अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि.खण्ड बाडी

संक्षिप्त

आज मनाया जाएगा सुशासन दिवस

झुंझुनूं,(निसं)। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 25 दिसम्बर को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाएगा। जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने बताया कि इस अवसर पर बुधवार को सुबह 11 बजे सूचना केन्द्र सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

वाहन पोर्टल पर कर सकते हैं आवेदन

झुंझुनूं, (निसं)। जिला परिवहन कार्यालय में वर्तमान में चल रही वाहनों के नम्बरों की सीरीज के अतिरिक्त अग्रिम सीरीज खोली जा रही है। अब कार्यालय में गैर परिवहन वाहन - सात सीटर या उससे अधिक के लिए वर्तमान में आरजे 18-यूबी, यूसी, यूडी, यूई, यूएफ उपलब्ध है। जिला परिवहन अधिकारी डॉ. मक्खनलाल जांगिड़ ने बताया कि सीरीज संख्या यूबी समाप्त होने जा रही है। नई सीरीज संख्या आरजे 18 यूजी 0001से 9999 को वाहन स्वामियों के लिए वाहन पोर्टल पर खोली जा रही है।

राष्ट्रीय गणित सप्ताह का आयोजन

झुंझुनूं, (निसं)। श्री राधेश्याम आर. मोरारका राजकीय महाविद्यालय में गणित विभाग द्वारा श्रीनिवास रामानुजन जयंती के उपलक्ष में राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह न्यौला ने विद्यार्थियों को रामानुजन के जीवन से प्रेरणा लेकर नए-नए शोध करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में रामानुजन के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। गणित विभागाध्यक्ष डॉ. सत्यवीर भैड़ा द्वारा रामानुजन की उपलब्धियों पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा अंत में सप्ताहभर में आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। सहायक आचार्या मीनू द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर सभी संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डीजीएस का किया अवलोकन

बलवंतपुरा, (निसं)। खेल एवं युवा मामले, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री केके विश्नोई ने डूंडलोद गर्ल्स स्कूल बलवंतपुरा पहुंचकर स्कूल की शैक्षिणक व गैर शैक्षिणक गतिविधि की जानकारी प्राप्त की। मंत्री केके विश्नोई ने स्कूल की लैब, शूटिंग रेंज, स्विमिंग, हॉस्टल, जिम, रोबोटिक लैब, मैस इत्यादि का अवलोकन किया तथा व्यवस्थाओं पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि स्कूल की बालिकाओं के भविष्य के लिए बेहतर काम कर रहे है और यहां से निकलने वाली बालिकाएं विश्व में भारत का नाम रोशन करेंगी। इस अवसर पर संस्था सचिव बीएल रणवां ने मंत्री केके विश्नोई का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया। इस अवसर पर प्राचार्या इंदू , अनुराग इत्यादि लोग उपस्थित थे।

साधारण सभा की बैठक 27 को

सीकर, (निसं)। 11:15 बजे पंचायत समिति सभागार धोद में आयोजित की जाएगी। पंचायत समिति धोद की विकास अधिकारी रश्मि मीणा ने बताया कि पंचायत समिति प्रधान की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मनरेगा के वार्षिक कार्यों, विद्युत विभाग, पेयजल, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा की स्थिति, प्रारंभिक शिक्षा, सार्वजनिक निर्माण विभाग की योजनाओं, कृषि, रसद, राजस्व, पशुपालन विभाग की योजनाओं की समीक्षा की जाएगी।

समीक्षा बैठक 30 को

सीकर । मुख्य आयोजना अधिकारी अरविन्द सिंह सामौर ने बताया कि बीस सूत्री आर्थिक कार्यक्रम के अन्तर्गत माह नवम्बर 2024 तक अर्जित उपलब्धियों की समीक्षा बैठक जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अध्यक्षता में 30 दिसम्बर 2024 को प्रात:11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जायेगी।

बांटे बिस्किट

झुंझुनूं, (निसं)।शहर निवासी छविंद्र कुमावत द्वारा अपनी धर्मपत्नी की याद में हर महीने बच्चों को भोजन आदि करवाते है। इसी क्रम में मंगलवार को आशा का झरना के बच्चों को बिस्किट, गजक और गर्म टोपी आदि बांटे गए। इस मौके पर छविंद्र कुमार व उनकी बेटी देविका मौजूद थी। जिन्होंने सामाजिक सरोकार के कार्य नियमित जारी रखने की बात कही है।

पपुरना में बंदरों के आतंक से परेशान ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के पपुरना गांव में इन दिनोंबंदरों के आंतक से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समस्या को लेकर ग्रामीण कई बार प्रशासन से गुहार लगा चुके हैं। इसके बावजूद भी समाधान नहीं होने पर प्रशासन से समस्या का समाधान करने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में इन दिनोंबंदरों की संख्या अधिक हो जाने के कारण लोग घरों में रहने को मजबूर हो रहे हैं।

बंदरआए दिन किसी न किसी घर में घुसकर बच्चे, बुजुर्गों, राहगीरों, व महिलाओं पर हमला कर घायल कर देते हैं। इसके अलावा घरों में सुखाए जाने वाले कपड़े व सामान को भी उठा ले जाते हैं। ग्रामीण केशव शर्मा ने बताया कि बंदरों कीआतंक की वजह से ग्रामीणों के जान पर आफत बनी हुई है। सुबह दुध वाला दूध सप्लाई करने के लिए आया तथा तो एकबंदरने उस पर हमला कर दिया, जिससे उसका दूध सड़क पर ही बिखर गया।बंदरों की संख्या अधिक होने से लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो रहा है।

बंदरों को लेकर ग्रामीणो ने किया विरोध ।

बंदरों की टोलियां घरों में घुसकर घर में रखा सामान उठा ले जाती हैं। उन्होंने बताया किबंदरों का इस समयआतंकइस कदर बढ़ गया है कि गांव के सरकारी अस्पताल मेंबंदरके काटने से रोजाना एक केस आ रहा है, जहां रेबीज का इंजेक्शन लगाकर उनका उपचार किया जाता है। महिला स्नेहलता ने बताया कि जब वह अपने छत पर कपड़े सुखाने के लिए गई थी। कुछ देर बाद जाकर देखा तो उसके कपड़े वहां नहीं मिले। जब उसने अन्य कपड़े छत से उतारने का प्रयास किया तोबंदरों ने उस पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गई। घायलावस्था में उसे उपचार के लिए राजकीय अस्पताल ले जाएगा। ग्रामीणों ने बताया किबंदरों कीआतंककी समस्या से परेशान होकर ग्रामीण कई बार प्रशासन से इनको पकड़कर दूर ले

- दस से अधिक लोगों को कर चुके घायल, ग्रामीण कर रहे है पहरेदारी

जाने की मांग उठा चुके हैं, लेकिन प्रशासन मामले को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि यदि प्रशासन ने जल्द ही मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की तो ग्रामीणों की ओर से उपखंड कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर जल्द समस्या का समाधान करने की मांग की है। इस मौके परएडवोकेट निरंजन लाल सैनी, केशव शर्मा, अनंतलाल, हीरामल जाँगिड, राजेंद्र सुरोलिया, पप्पू तिवाडी, स्नेहलता, शकुंतला देवी, सरोज देवी, गीता, मायादेवी, पुष्पा, पिंकी जाँगिड, बाला देवी, पुष्कर भगत, राहुल शर्मा, प्रवीण, सुनील सुरोलिया, संदीप जाँगिड सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

साइकिल एवं पीसी टेबलेट का किया वितरण

उदयपुरवाटी, (निसं)। कस्बे की सेठ श्री जवाहर मल मोदी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में नि:शुल्क साइकिल एवं पीसी टेबलेट वितरण समारोह का आयोजन प्रधानाचार्य बीएल महरिया की अध्यक्षता में हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि थानाधिकारी राजेश कुमार बुडानिया थे। विशिष्ट अतिथि एसीबीईओ बृजलाल देवठिया, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी लक्ष्मी नारायण बड़ीवाल, एडवोकेट मोतीलाल सैनी, गिरधारी लाल राठी, विद्याधर सैनी थे। कार्यक्रम में विद्यालय की मेधावी छात्रा योगिता वर्मा एवं तनु सैनी को पीसी टेबलेट वितरित किए गए। साथ ही कक्षा 9 वीं में अध्ययनरत 58 बालिकाओं को नि:शुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रीमती मिश्री देवी सत्यनारायण खैराड़ी ट्रस्ट की ओर से विद्यालय में लगाए गए आरओ व वाटर कूलर का भी फीता काटकर उद्घाटन किया गया। प्रधानाचार्य बीएल महरिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

यातायात नियमों की जानकारी देकर सड़क दुर्घटनाओं के कारणों से करवाया अवगत

सादुलपुर, (निसं)। स्थानीय मोहता महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के सात दिवसीय विशेष शिविर के चतुर्थ दिवस मंगलवार को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इकाई प्रथम के कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर नवीन कुमार के निर्देशन में स्वयंसेवकों द्वारा गोद बस्ती में नुक्कड सभाओं के माध्यम से सडक सुरक्षा जन जागृति अभियान के अंतर्गत बस्ती वासियों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई तथा सडक दुर्घटनाओं के विभिन्न कारणो से अवगत करवा कर उन्हें जागरूकता बरतने के लिए सचेष्ट किया गया। इसी प्रकार इकाई द्वितीय की स्वयंसेविकाओं ने कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर दिनेश बासोतिया के निर्देशन में बस्ती में सघन सफाई अभियान चलाकर मोहल्ले वासियों को स्वच्छता का संदेश दिया नेतजी मंदिर परिसर में कचरा हटाकर साफ सफाई की बौद्धिक सत्र में कुकिंग टीम की कविता उर्वशी, सोनू, निशु वआरती द्वारा स्वादिष्ट भोजन परोसा गया। कार्यक्रम में स्टाफ सदस्य प्रोफेसर लीला महर्षि व प्रोफेसर सुभिता जांगिड आदि का सराहनीय योगदान रहा।

- राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के सात दिवसीय विशेष शिविर के चतुर्थ दिवस विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

मोहता महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के सात दिवसीय विशेष शिविर के चतुर्थ दिवस कार्यक्रम में भाग लेती स्वयं सेविकाएं ।

जिला कलेक्टर को पवन बोथरा ने बताई कस्बे की विभिन्न समस्या

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर कस्बे में पहली बार जिला कलेक्टर के आने पर तहसील कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष पवन बोथरा ने राजलदेसर चिकित्सालय में डॉक्टरों के रिक्त पदों को भरने को लेकर अवगत कराया इसके अलावा नगर पालिका परिसर में अधिशासी अधिकारी का परमानेंट करने को लेकर अवगत कराया साथ ही दोनों सीनियर विद्यालय में लंबे समय से चल रहे रिक्त पदों को भरने को लेकर साथ ही चिकित्सालय भवन के भराव को लेकर अवगत कराया इसके अलावा उन्होंने ग्रेट ईस्टर्न कंपनी के निर्मल बैद के द्वारा अब तक कस्बे में करवाए गए कार्यों की जानकारी दी।

साथ ही जिला कलेक्टर ने तहसील कार्यालय में कंप्यूटर टेबल चेयर अन्य उपकरण भामाशाह के सहयोग से उपलब्ध कराने के लिए उनके प्रतिनिधि पवन बोथरा से अवगत किया तो उन्होंने अति शीघ्र सभी उपकरण देने की घोषणा की । इस अवसर पर युवा विकास समिति के अध्यक्ष रतनलाल बारूपाल, मंत्री मदन दाधीच समिति के द्वारा करवाए गए कार्यों की जानकारी एवं जरूरतमंद परिवार जनों को जिनको प्रधानमंत्री आवास, शौचालय,विद्युत, पानी आदि सुविधाएं जरूरतमंद परिवार तक कैसे पहुंचे इसके लिए उनको अवगत कराया जिस पर उन्होंने तहसीलदार जितेंद्र सिंह को कहा अति शीघ्र इसकी रिपोर्ट बनाकर साथ ही मौका निरीक्षण करके भेजनें के आदेश दिया सरकार की जो भी योजनाए हैं इसका अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारजनों को मिल सके एडवोकेट रोहित मारू ने तहसील कार्यालय की विभिन्न समस्याओं के बारे में अवगत कराया एवं ज्ञापन भी दिया । इसके अलावा राजलदेसर युवा विकास समिति के मंत्री मदन दाधीच ने आगामी कंबल वितरण कार्यक्रम एवं दिव्यांग प्रमाण पत्र एवं उपकरण शिविर राजलदेसर कश्मीर में लगाने को लेकर अवगत कराया जिस पर जिला कलेक्टर ने कहा अति शीघ्र ही यहां पर कैंप लगा दिया जाएगा साथ ही कस्बे में गंदे पानी की निकासी की व्यवस्था को लेकर भी जिला कलेक्टर को अवगत कराया जिस पर जिला कलेक्टर ने कहा अति शीघ्र ही सरकार को पत्र देकर अवगत कराया जाएगा इस अवसर पर युवा विकास समिति के विनोद भाटिया तहसीलदार जितेंद्र सिंह एवं तहसील के अनेकों स्टाफ सदस्य उपस्थित थे ।

- जिला कलेक्टर को युवा विकास समिति ने कार्यक्रम को लेकर कराया अवगत

स्कूल में क्रिसमस डे समारोह हर्षोल्लासपूर्वक मनाया

झुंझुनूं, (निस)। एसीआई ग्रुप एजुकेशन के तत्वावधान में एसीआई सीसै स्कूल में क्रिसमस डे समारोह हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। संस्था निदेशक मनोज शर्मा ने ईसा मसीह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि क्रिसमस के शांति प्रेम एवं भाईचारे के भावो को जीवन में अपनाने का विद्यार्थियों से आव्हान किया।

उन्होंने बताया की क्रिसमस 'क्राइस्ट मास' से निकाला है। पहली बार इसे पहले ईसाई रोमन सम्राट और रोमन सम्राट कॉन्सटेंटाइन के शासन काल के दौरान 336 में मनाया गया था। जिसके कुछ सालों बाद पोप जुलियस ने अधिकारिक तौर पर जीसस क्राइस्ट का जन्मदिवस 25 दिसम्बर के दिन मनाने का निर्णय किया। वहीं संस्था निदेशक विकास शर्मा ने ईशु के जीवन को मानवता के लिए एक वरदान की संज्ञा देते हुए कहा की ईशु के शांति, भाईचारे एवं आपसी सौहार्द का संदेश वर्तमान युग में अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने कहा की प्रत्येक मानव अपने धर्म की पालना करे एवं दूसरे के धर्म का सम्मान करे यहीं सही अर्थों में धार्मिकता है। प्रत्येक विद्यार्थी को चाहिए की संकिर्ण धार्मिकता एवं सोच को छोडकर विस्तृत सोच को अपनाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर नन्हें मुन्ने विद्यार्थियों के द्वारा मनमोहक प्रस्तुतिया दी गई। जिनमें भूमिका, अतिफा, कृतिका, अभिनंदन ने बम बम बोले, प्रियांसिता, इनाया, सान्वी द्वारा चलो ईशु के पास, हर्षिता, निशांक, दीपेक्ष, श्रेयांस द्वारा छोटा बच्चा जानके, यशस्वी, रचना, दृष्टि, मानवी, जाएबा द्वारा मैरी क्रिसमस, हृदय, मनन, अलसना, फाइजा द्वारा जिंगल बैल..., वहीं अल्सना, जिया, पूर्वी, शिवांश, भवी द्वारा शानदार नृत्य प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थियों को सांता के द्वारा आकर्षक उपहार एवं चॉकलेट देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन हैड विजय सैनी, शिवकुमार पालीवाल, रमेश मील उपस्थित थे।

रथ में आरूढ़ होकर नगर भ्रमण को निकले भगवान जगन्नाथ

चिड़ावा, (निसं)। हरे कृष्ण - हरे राम का संकीर्तन...बजते ढोल - मृदंग पर झूमते श्रद्धालु... भक्ति, श्रद्धा और आस्था का ये मिलन दृश्य चिड़ावा में निकली जगन्नाथ रथ यात्रा का है। श्री हरिनाम संकीर्तन प्रचार मंडल के तत्वावधान और प्रवासी खींवसिका (केडिया) परिवार के सौजन्य से 21वीं भव्य भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा स्टेशन रोड स्थित डालमिया खेलकूद से रवाना हुई। रवानगी से पहले भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के विग्रहों को विधिवत विराजित कराया गया। यहीं पर मधुबन आश्रम ऋषिकेश के स्वामी परमानंद प्रभु और उनके साथ आए संतों ने श्रृंगार किया। प्रवासी खींवसिका परिवार के सदस्य बैंकॉक प्रवासी विनय कुमार-शकुंतला केडिया तथा मुंबई प्रवासी प्रेम कुमार-कुसुम केडिया परिवार ने पंडितों के आचार्यत्व में विग्रहों की पूजा अर्चना की।

संकीर्तन प्रचार मंडल और जगन्नाथ रथ यात्रा आयोजन समिति के संयोजन में निकली यात्रा स्टेशन रोड, कबूतरखाना बस स्टैंड, मंड़ेला तिराहा होते हुए पिलानी रोड स्थित वृंदावन फार्म हाउस पहुंची। जहां पर भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के विग्रहों को मंत्रोच्चार के मध्य मंदिर के गर्भ गृह में विराजित कराया गया। यहां पर महा आरती हुई और भगवान को प्रसाद का भोग लगाया गया। यात्रा के दौरान श्रद्धालु 30 मीटर लंबी रस्सी से रथ को खींचते नजर आए। वहीं मधुबन आश्रम ऋषिकेश के स्वामी परमानंद प्रभु और उनके साथ आए संतों ने हरे रामा-हरे कृष्ण के साथ अन्य धार्मिक धुनों के साथ गीत संगीत पर जमकर नृत्य किया। यात्रा के दौरान इलाका भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के जयकारों के साथ हरे राम हरे कृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। इस मौके पर पूर्वी अग्रवाल सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष झंडीप्रसाद हिम्मतरामका, जगन्नाथ रथ यात्रा आयोजन समिति अध्यक्ष मनोहर लाल जांगिड़, प्रभात फेरी के टीना रामचंद्र शर्मा, श्री रामलीला परिषद अध्यक्ष प्रमोद अरड़ावतिया, सचिव सुशील पदमपुरिया, श्याम जांगिड़, रेखा संदीप हिम्मतरामका, सुरेंद्र शर्मा, नवीश शर्मा, प्रकाश, कैलाश, पूर्व पार्षद रविकांत शर्मा, सत्येंद्र कौशिक, आशीष मिश्रा, अविनाश, रमेश स्वामी, कुलदीप भगेरिया, राकेश शर्मा, शंकरलाल वर्मा, राजकुमार जिसपाल, राधेश्याम सुखाडिया, रवि भारतीय, संजय दाधीच, प्रशांत कुमावत, आशीष शर्मा, अजय बागड़ी, रामजीलाल सैनी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। वहीं यात्रा के समापन के बाद वृंदावन फार्म हाउस में भंडारा हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

श्रद्धा और आस्था का ये मिलन दृश्य चिड़ावा में निकली जगन्नाथ रथ यात्रा का है।

- रथ को खींचने उमड़े श्रद्धालु

सार-समाचार

एबीएन स्कूल में मनाया गया क्रिसमस डे

झुंझुनूं,(निसं)। चूणा चौक रानी सती रोड स्थित झुंझुनूं प्रगति संघ मुंबई द्वारा संचालित आदर्श बाल निकेतन सीनियर सैकंडरी स्कूल में मंगलवार को क्रिसमस डे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में क्रिसमस ट्री को सजाया गया। कक्षा पीजी से यूकेजी तक के बच्चे सांता क्लॉज बनकर आए। नन्हें मुन्ने बच्चों द्वारा शानदार नृत्य प्रस्तुतियां दी गई। ईशि जगनानी ने जिंगल बेल कविता पर प्रस्तुति दी। मदर टीचर अमृता पंसारी ने सांता क्लॉज बने बच्चों को चॉकलेट बांटी। विद्यालय प्रिंसिपल डॉ. अजय कुमार ने बच्चों को क्रिसमस डे का महत्व बताते हुए बताया कि यह त्यौहार संपूर्ण विश्व में प्रेम और सौहार्द की भावना का संदेश देता है। उप प्रधानाचार्या अनिता महमिया ने बताया कि आपसी द्वेष, ईर्ष्या के भाव से दूर रहते हुए खुशियां बांटना ही क्रिसमस डे का मूल उद्देश्य है। कार्यक्रम का सफल संचालन ललिता जांगिड़ द्वारा किया गया। इस अवसर पर समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

कुशल भास्कर किया नेशनल क्वालीफाई

नीमकाथाना, (निसं)। जिले के निकट ग्राम कैरवाली के कुशल भास्कर ने डॉक्टर करणी सिंह शूटिंग रेंज नई दिल्ली में आयोजित 67 वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप 2024 मे 10 मीटर पिस्टल इवेंट में खेलते हुए नेशनल को क्वालीफाई किया है कुशल ने अपने परिवार गांव , जिले तथा राज्य का नाम रोशन किया है।कुशाल ने अपनी सफलता का श्रेय कोच किशन सिंह व एन के स्कूल जयपुर के निदेशक कुलदीप चौधरी को दिया है।कुशल वर्तमान में एन के स्कूल का कक्षा 10 वीं का छात्र है। कुशल के नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप को क्वालीफाई करने पर दादा बनवारी लाल जाट, जगदीश प्रसाद भास्कर, बलवीर सिंह,दादी बिदामी देवी,इंदु देवी, पिता सतवीर सिंह भास्कर, माता अनीता भास्कर सहित अन्य परिजनों ने मिठाई बाटकर कुशल को शुभकामनाएं प्रेषित की है।

साधारण सभा की बैठक 30 को

नीमकाथाना,(निसं)। पाटन पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक 30 दिसंबर सोमवार को सुबह 11 बजे पंचायत समिति सभागार में आयोजित होगी। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी अपने विभाग से संबंधित गत बैठक की अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। बैठक एजेंडा निम्न प्रकार से है जिसमें पेयजल समस्या ,विद्युत समस्या, सधन वृक्षारोपण अभियान 2024, महानरेगा वार्षिक प्लान 2024-25 ,महिला एवं बाल विकास ,चिकित्सा विभाग से संबंधित ,वन एवं पर्यावरण ,खनन विभाग,शिक्षा विभाग,परिवहन विभाग , पशुपालन विभाग,राजस्व विभाग,कृषि विभाग,आबकारी विभाग,सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से संबंधित चर्चा की जाएगी।

विद्यालय में टी शर्ट वितरण किए

सादुलपुर,(निसं)। ब्लॉक के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय जैतपुरा में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, समिति सदस्यों, अभिभवकों, प्रधानाचार्य व शिक्षकों की उपस्थिति में विद्यालय परिसर में स्कूली छात्र-छात्राओं को टी शर्ट वितरण किए गए। प्रधानाचार्य चंद्रपाल ने बताया कि उक्त टी शर्ट का वितरण विद्यालय की सहायक शिक्षिका हिमांशु कुलहाड द्वारा नि:शुल्क बतौर भामाशाह करवाया गया है। बच्चों ने टी शर्ट पाकर खुशी जाहिर की। आंगतुक अभिभावकों ने शिक्षिका की इस पहल की तारीफ की तथा प्रेरणा स्वरूप भविष्य में अन्य सदस्यों ने भी सहयोग का भरोसा दिलाया। प्रधानाचार्य ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

जरूरतमंद लोगों को बंटवाई कंबलें

झुंझुनूं,(निसं) ।श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था झुंझुनूं के तत्वावधान में गुप्त दानदाता नवलगढ़ निवासी के आर्थिक सौजन्य से झुंझुनूं एवं ग्रामीण क्षेत्र में बसी झुग्गी झोपड़ियों के जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जानकारी देते हुए श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था के ट्रस्टी डॉ. डीएन तुलस्यान एवं रोहिताश्व बंसल ने बताया कि स्थानीय एवं प्रवासी दानदाताओं का इस सर्दी के मौसम में जरूरतमंदों को गर्म वस्त्र वितरण के क्रम में कंबल वितरण में आर्थिक सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि दिसंबर माह से हजारों की संख्या में जगह-जगह जाकर उनके द्वारा जरूरतमंद लोगों को विभिन्न उदारमना दानदाताओं के सौजन्य से कंबल वितरण किया जा रहा है। यह कार्य मकर संक्रांति पर्व 14 जनवरी तक चलेगा।

तुलसी पूजन का आयोजन हुआ

झुंझुनूं, (निसं) । जिला मुख्यालय स्थित प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल में तुलसी पूजन का आयोजन किया गया। संस्थान निदेशक निर्मल कालेर ने बताया कि कार्यक्रम का आरंभ आनुष्ठानिक पूजा विधान मंत्रोच्चार के साथ हुआ। पूजा-पाठ में सभी प्रिंस के सदस्यों ने भाग लिया। उपस्थित बच्चे भक्ति परंपरा में सराबोर दिखाई दिए। इस विशेष मौके पर कक्षा नौ की छात्रा दिव्या सिहाग ने तुलसी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तुलसी का सेवन शरीर को रोगुण मुक्त करता है। साथ ही शरीर में रोगाणु रोधक क्षमता को विकसित करता है। वहीं प्रिंस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन डॉ. जीएल कालेर ने कहा कि तुलसी का एक पौधा घर के संपूर्ण वातावरण को शुद्ध करता है। शास्त्रों में इसे पूजनीय व वंदनीय माना गया है। इसके सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर संस्थान एकेडमिक डायरेक्टर समीर शर्मा, प्रिंसिपल डॉ. अनिता पंत शर्मा, महेंद्र सैनी व सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

विवेक पारीक हुए सम्मानित

डूंडलोद,(निसं) । शेखावाटी के वीर रस के युवा कवि विवेक पारीक को रविवार को तिलवासनी जोधपुर में पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल वीके सिंह द्वारा सम्मानित किया गया। तिलवासनी जोधपुर स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में 2002 बैच के पूर्व छात्र सम्मेलन में जनरल वीके सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समारोह में लेफ्टिनेंट जनरल प्रकाश चौधरी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इसी कार्यक्रम में अपनी कविताओं के माध्यम से भारतीय सेना के शौर्य का वंदन करने और वर्तमान छात्रों को अभिप्रेरित करने के लिए विवेक पारीक को आमंत्रित किया गया था। समारोह के पश्चात जनरल वीके सिंह ने प्रतीक चिह्न देकर विवेक पारीक को आशीर्वाद प्रदान कर उनकी हौंसला अफजाई की। उल्लेखनीय है कि लक्ष्मणगढ़ के मूल निवासी विवेक पारीक ने स्थानीय डूंडलोद विद्यापीठ से अपनी स्कूली शिक्षा पूर्ण कर जोधपुर स्थित एमबीएम कॉलेज से एमटेक की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने एक कवि, अभिनेता, मोटिवेशनल स्पीकर और मनोविज्ञान विषय के शिक्षक के रूप में अच्छी खासी शोहरत हासिल की है। कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर विवेक द्वारा अभिनीत एवं आनंद सिंह चौहान द्वारा निर्देशित शॉर्ट फ़िल्म दी फ़ोटोग्राफ़र की स्क्रीनिंग भी की गई।

रेन बसेरा का निरीक्षण किया

रतनगढ,(निसं) । अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सुरेंद्र कौशिक द्वारा सोमवार रात्रि को रेन बसेरा का निरीक्षण किया गया। कौशिक ने निरीक्षण के बिंदुओं का जायजा लिया एवं मिली कमियों को पूरा करने हेतु निर्देशित किया साथ ही रैन बसेरे की उपलब्धता तथा स्थान का व्यापक प्रचार प्रसार करवाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर तालुका सदस्य संतोष बाबू इंदौरिया भी साथ थे।

मिलावटखोरों पर की कठोर कार्यवाही

झुंझुनूं, (निसं)।न्यायालय अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने जिले के मिलावटखोरों पर कठोर कार्यवाही करते हुए भारी जुर्माना लगाकर दंडित किया है तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि वे मिलावटखोरों पर लगाए गए जुर्माने को 15 दिवस में मिलावटखोरों से राजकोष में जमा करवाएं। उपरोक्त दस प्रकरणों में कुल 23 लाख 50 हजार रूपए तथा चार अन्य प्रकरण जो कि खुले मसाले यथा हल्दी व धनिया पाउडर खुली अवस्था में बेचान के है। उनमें प्रत्येक में 50-50 हजार कुल दो लाख रूपए का तथा सभी 20 प्रकरणों में कुल 25 लाख 50 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया है।

अनियमितताओं को लेकर 15 दिनों से जारी विद्यार्थियों का धरना समाप्त

तारानगर, (निसं)। तारानगर के कृषि महाविद्यालय में अनियमितताओं को लेकर महाविद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा 15 दिनों से चल रहे धरने को भाजपा नेता राकेश जांगिड़ ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ से वार्ता करवाकर समाप्त करवाया।15 दिन से धरने और 5 दिन से क्रमिक अनशन, भूख हड़ताल पर बैठे विद्यार्थी नरेंद्र और बादल को भाजपा नेता राकेश जांगिड़ ने जूस पिलाकर धरना समाप्त करवाया तथा विद्यार्थियों की मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया।कार्यवाहक प्राचार्य को हटाने, कृषि महाविद्यालय को कृषि संकाय के अधीन करवाने, अध्यापकों की नियुक्ति करवाने, बुक-लाईब्रेरी आदि की व्यवस्था करवाने के लिए जांगिड़ ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ को अवगत करवाया, राठौड़ ने शिक्षा मंत्री से बात कर बच्चों की सभी बात मानकर धरना समाप्त करवाया।जिला कलेक्टर ने भी विद्यार्थियों से दूरभाष के माध्यम से सभी बातें मांगने हेतु आश्वस्त कराया। जांगिड़ ने अस्थायी रूप से संचालित कृषि महाविद्यालय का भी जायजा लिया तथा समस्त सुविधाएं भाजपा सरकार, माननीय राजेन्द्र राठौड़ के माध्यम से उपलब्ध करवाने हेतु आश्वस्त किया। समाज सेवी भामाशाह अमरसिंह चारण एंव रूस्तम ने खेल ग्राउण्ड, लाइब्रेरी, बुक एंव अन्य सुविधाओं के विस्तार हेतु 51-51 हजार रूपए देने का वादा किया। इस दौरान तहसीलदार रतनलाल, मां जालपा देवी प्रिंसिपल हंसराज परिहार, महाविद्यालय विकास समिति सदस्य अजीतसिंह राठौड़, वीर बहादुरसिंह राठौड़, कृषि विद्यालय प्राचार्य सत्यवती बुडानिया, पार्षद नरेश सैनी, रोहित भाकर, नरेंद्र प्रजापत, बलवंत गोदारा, इंद्र दायमा, छात्रा अनामिका, किरण, अनिल, अरुण, लोकेंद्र सहित महाविद्यालय स्टाफ व छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

जूस पिलाकर धरना समाप्त करवाते भाजपा नेता राकेश जांगिड़।

- **भाजपा नेता राकेश जांगिड़ पहुंचे धरने पर, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के आश्वासन के बाद छात्र छात्राओं ने धरना किया समाप्त**

फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी। चार दिवसीय ग्रामीण फुटबॉल प्रतियोगिता का मंगलवार को पूनिया का बास गांव में हुआ। उक्त प्रतियोगिता का आयोजन श्री विजय मंडल पुनिया का बास के तत्वावधान में हो रहा है। यह जानकारी देते हुए मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश पूनिया ने बताया कि 4 दिन चलने वाली फुटबॉल प्रतियोगिता में जिले की 18 टीमें भाग ले रही है। प्रतियोगिता का मंगलवार को उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ। उद्घाटन मुकाबला बीदसर व तारपुरा के बीच हुआ जिसमें बीदसर की टीम 4-2 से विजयी रही। उन्होंने बताया कि उद्घाटन समारोह में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राकेश सिहाग, बीदसर ग्राम पंचायत पंचायत सरपंच प्रतिनिधि रामअवतार रोयल , पूर्व सरपंच टोडाराम पूनियां, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कल्याणपुरा के प्रधानाध्यापक राजेंद्र मील व मण्डल संस्थापक बाबूलाल पूनियां मंचस्थ अतिथि थे। इस अवसर पर प्रकाशचन्द पूनियां, उमेश पूनियां, गिरधारीलाल पूनियां, धर्मपाल पूनियां, सूबेदार जवाहर सिंह, पृथ्वी सिंह पूनिया, दिनेश भाष्कर, अजय बेनीवाल सहित बड़ी संख्या गणमान्य में ग्रामीण मौजूद रहे।

एडवोकेट संजय महला को मिला शेखावाटी रत्न सम्मान

झुंझुनूं, (निसं)। शेखावाटी क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सीनियर एडवोकेट संजय महला को शेखावाटी रत्न सम्मान से विप्र इंडिया वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा सम्मानित किया गया है। संजय महला भारत सरकार के सीनियर एडवोकेट है।

झुंझुनूं जिले के खाजपुर नया गांव के रहने वाले एडवोकेट महला लंबे समय से राजस्थान हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में वकालत से जुड़े हुए है। वर्तमान में संजय महला एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, संघ लोक सेवा आयोग के साथ साथ विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी भी संभाल रहे है। इसके अलावा शेखावटी की पंडित दीनदयाल उपाध्याय यूनिवर्सिटी के अधिवक्ता भी है। इससे पहले महला राजस्थान हाईकोर्ट में बार एसोसिएशन में लंबे समय तक पदाधिकारी भी निर्वाचित रह चुके है। संजय महला को उनके विशेष विधिक कार्य अनुभव व योग्यता को देखते हुए, देश की शीर्ष महत्वपूर्ण जांच एजेंसी सीबीआई के स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर की भी विशेष तौर पर ज़िम्मेदारी दी गई थी। जिसमें महला ने बहुत सारे हाई प्रोफाइल मामलो में सीबीआई की ओर से प्रभावी पैरवी कर अपनी अमिट छाप छोड़कर देश के ख्यातनाम अधिवक्ताओं में अपनी पहचान बनाई। शेखावटी के लोगों में महला की बहुत बड़ी ख्याति को देखते हुए उन्हें यह सम्मान दिया गया। न्याय से वंचितों के लिए हर दम तैयार रहने वाले व उन्हें न्याय दिलाने में तत्पर रहते है। राजस्थान सरकार के महत्वपूर्ण विभागों जयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड, अजमेर व जयपुर डिस्कॉम सहित विभिन्न विभागों की ओर से भी अधिवक्ता के रूप में सेवाएं दे चुके है। शेखावाटी क्षेत्र में गौशालाओ, बालिका शिक्षा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी बहुत सारी सामाजिक उत्थान से संबंधित अपने मिशन से लोगो में जागरूकता लाने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

डूंडलोद,(निसं)। डूंडलोद पब्लिक स्कूल डूंडलोद के स्पोर्टस कॉम्पलेक्स में मंगलवार से तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। राजस्थान सरकार के खेल एवं युवा मामलों के मंत्री कृष्ण कुमार विश्नोई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। डूंडलोद शिक्षण संस्थान के निदेशक सुलतान सिंह रणवरां ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विद्यालय सचिव बीएल रणवां, डूंडलोद नगरपालिका चेयरमैन हरफूल पूनियां, बीजेपी नेता डॉ. सुमन कुलहरि, डॉ. विनय कौशिक तथा आर्यन स्पोटर्स एकेडमी के निदेशक अनुराग आर्य कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे। विद्यालय के प्राचार्य जी. प्रकाश ने विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शिक्षा के साथ-साथ ही खेलों में भी नाम कमाया है। प्रत्येक वर्ष अनेक विद्यार्थियों ने खेलों में राष्ट्रीय स्तर व राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का प्रतिनिधित्व किया है। मुख्य अतिथि कृष्ण कुमार विश्नोई ने मार्गदर्शन करते हुए कहा कि यह आजादी का 75वां अमृत महोत्सव का काल है। प्रधानमंत्री मोदी का सपना 2047 तक विकसित भारत का है। प्रधानमंत्री ने एक नए परिवर्तन और नवाचार के रूप में खेलों इंडिया खेलों का शुभारम्भ किया। जिससे देश में अनेक खेल प्रतिभाएं उभर रही है। राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मोदी से प्रेरणा लेकर विकसित राजस्थान का लक्ष्य रखा है। छात्रों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि आपका यह सही समय है। अपने भविष्य को संवारने का तथा नई दिशा की ओर अग्रसर होने का, आप सभी शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी अपने परिवार, गांव, जिले का ही नहीं बल्कि अपने देश का नाम भी रोशन करें। एक जिला-एक खेल योजना का अतिशीघ्र प्रारंभ होने वाला है। इस मौके पर उन्होंने डीपीएस डूंडलोद, डीपीएस झुंझुनूं तथा डीजीएस बलवंतपुरा की खेल सुविधाओं और शैक्षिणक वातावरण को सर्वश्रेष्ठ बताया। विद्यालय सचिव बीएल रणवां ने अपने सम्बोधन में कहा कि केवल मस्तिष्क का विकास एकांगी होता है। मस्तिष्क के साथ-साथ शारीरिक शक्ति का भी होना अनिवार्य है। इसलिए मस्तिष्क के विकास के लिए जहां शिक्षा की आवश्यकता है। वहां शारीरिक शक्ति को प्राप्त करने के लिए खेलों की भी आवश्यकता है। इसलिए हमारा विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ खेलों की अत्याधुनिक सुविधाएं विद्यार्थियों को उपलब्ध कराता है। कार्यक्रम में विद्यालय संचालन समिति के सदस्य राहुल रणवां, उप प्रधानाचार्य धनंजय लाल, प्रभारी रेखा स्वामी, सुमनलता, मनजीत कौर तथा समस्त डीपीएस परिवार उपस्थित था।

डूंडलोद के स्पोर्टस कॉम्पलेक्स में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ।

- **मंत्री विश्नोई ने कहा, डीपीएस डूंडलोद हर क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ**

विधार्थियों को स्वेटर वितरित

रतनगढ,(निसं) । देवकिशन स्मृति सेवा समिति द्वारा राउमा विधालय सांगासर, खोतडी, बीरमसर व राउप्रा विधालय दो छाबड़ी मिठी, राजकीय बालिका उ प्रा वि टिडियासर व ग्राम कादियां की नायकों की ढाणी के चयनित 341 छात्र-छात्राओं को गर्म स्वेटर वितरित किए गये। रा.उ.मा विधालय सांगासर में आयोजित कार्यक्रम में शाला स्टाफ ने समिति सदस्यों का माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया। समिति वरिष्ठ संरक्षक सीताराम दाधीच ने समिति के सेवा कार्यों की जानकारी देते हुए बच्चों को स्वच्छता का पालन करने व डिस्पोजल का उपयोग नहीं करने की सलाह दी। अरूण शर्मा सीए ने बच्चों को लक्ष्य निर्धारित कर उसकी प्राप्ती के लिए कठोर परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। नरोतम लाल सोनी ने हमारे संस्कार व परम्परा का पालन करने व श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त कर शाला व क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। समिति अध्यक्ष विश्वनाथ सोनी ने बताया कि इस शीत ऋतु में दूरस्थ राजकीय विद्यालयों व ढाणियों के 1100 विधार्थियों को स्वेटर वितरित किए गये है। संस्था प्रधान नगेन्द्र शर्मा ने जरूरतमंद बच्चों को स्वेटर प्रदान करने के लिए समिति का धन्यवाद किया।

झुंझुनूं में कांग्रेस ने निकाली अंबेडकर सम्मान यात्रा

झुंझुनूं,(निसं)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आ ान पर मंगलवार को झुंझुनूं में कांग्रेस द्वारा अंबेडकर सम्मान यात्रा निकाली गई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संसद में बाबा साहेब को लेकर की गई टिप्पणी के विरोध में यह यात्रा अंबेडकर पार्क से शुरू हुई।

जो कलेक्ट्रेट तक पहुंची। इस यात्रा में दो दिन पहले प्रेस वार्ता कर यात्रा के आयोजन की जानकारी देने वाले सांसद बृजेंद्र ओला खुद ही गायब रहे। वहीं खेतड़ी से विधानसभा चुनावों की प्रत्याशी रही प्रधान मनीषा गुर्जर के अलावा उदयपुरवाटी विधायक भगवानाराम सैनी, सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार, मंडावा विधायक रीटा चौधरी, पिलानी विधायक पितराम काला, पूर्व मंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा व उप चुनावों में कांग्रेस प्रत्याशी रहे अमित ओला तक गायब रहे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष सुंडा ने कहा कि सभी नेता और कार्यकर्ता बाबा साहेब के इस अपमान का बदला लेने के लिए एकजुट है। विधायक और सांसद अलग-अलग कमेटियों में सदस्य है। जिनकी बैठकें चल रही है। सड़क पर लड़ाई का कार्य कार्यकर्ता है। इस प्रदर्शन में जिले की सातों विधानसभा क्षेत्रों से कार्यकर्ता शामिल है। वहीं सदन में हमारे नेता पुरजोर शब्दों में इसका विरोध कर रहे है। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने जो टिप्पणी की है। वो निंदनीय है। जब तक ये लोग अपनी आदतों से बाज नहीं आएंगे। विरोध यूं ही जारी रहेगा। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता यशवर्धन सिंह शेखावत ने कहा कि जब से संविधान बना है। जब से कुछ संविधान विरोधी ताकतें बाबा साहेब को लेकर लगातार अभद्र और निंदनीय टिप्पणी कर रही है। अमित शाह का बयान भी वैसा ही है। इसलिए जब तक अमित शाह को पद से हटा नहीं दिया जाता। वो पूरे देश से माफी नहीं मांग लेते। तब तक विरोध जारी रहेगा। प्रदर्शन के बाद अमित शाह को उनके पद से हटाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। यात्रा के पैदल मार्च को शुरू करने से पहले जिलाध्यक्ष सुंडा की अगुवाई में कांग्रेस नेताओं ने अंबेडकर पार्क में स्थापित बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प चढाए और नमन किया। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता यशवर्धन सिंह शेखावत, पीसीसी सदस्य सलीम सिगड़ी, खेतड़ी प्रधान मनीष गुर्जर, बुहाना प्रधान हरिकृष्ण यादव, मंडावा प्रधान शारदा देवठिया, जिला परिषद सदस्य बजरंगलाल जांगिड़, जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष अजय तसीड़, पूर्व प्रधान शेरसिंह नेहरा, एनएसयूआई प्रदेश महासचिव मोहित जनेवा,प्रदेश सचिव पंकज देग ,जिलाध्यक्ष राहुल जाखड़, महिला जिलाध्यक्ष तारा पूनियां, सिंघाना चेयरमैन विजय कुमार, उपाध्यक्ष राजकुमार ढाका, गोकुलचंद सैनी, मानसिंह सहारण, महासचिव नरेश खादीवाला, मनोहर बाकोलिया, रामनिवास, श्रवण सैनी, चुन्नीलाल, प्यारेलाल गुर्जर, यूनुस गौरी, डॉ. मुकेश बागड़ी, रोहिताश, सचिव सुभाष भांबू, उम्मेद श्योराण, श्रीचंद झाझड़िया, दिलीप डिग्रवाल, अब्दुल अजीज कच्छावा, रामकरण , जिला प्रवक्ता संतोष सैनी, शाहबाज फारूकी, सोशल मीडिया प्रभारी मोहम्मद सलीम, ब्लॉक अध्यक्ष सुमेरसिंह , अजमत , पायल, यज्ञपाल , बीएल , संजय सैनी, विनोद कुमार काजला, सरपंच महावीर, सत्यवीर महरानिया, प्रदेश सचिव पंचायत विजय मील आदि मौजूद थे।

झुंझुनूं में विद्याधर वाल्मिकी को ई-रिक्शा भेंट किया

झुंझुनूं,(निसं) । राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड और अनुजा निगम झुंझुनूं के संयुक्त प्रयास से विद्याधर पुत्र मुरलीधर वाल्मिकी को स्वरोजगार के लिए ई-रिक्शा प्रदान किया गया।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाशचंद्र शर्मा और अनुजा निगम के परियोजना प्रबंधक अरविंद ओला ने लाभार्थी को ई-रिक्शा की चाबी सौंपकर प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विभाग के मोनिका और कपिल बाबल भी उपस्थित रहे। अनुजा निगम के परियोजना प्रबंधक अरविंद ओला ने बताया कि निगम द्वारा संचालित राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त व विकास निगम, राष्ट्रीय विकलांग वित्त एवं विकास निगम एवं राष्ट्रीय अन्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम वित्त वर्ष 2024-25 में स्वरोजगार के लिए ऋण के लिए ऑनलाइन आवेदन 31 दिसम्बर 2024 तक आमंत्रित किए गए है। निगम की विभिन्न योजनाओं में 40 हजार से 10 लाख तक के ऋण 4 से 8 प्रतिशत ब्याज दरों पर 20 त्रैमासिक किश्तों में वसूल करने की शर्तों के अधीन स्वीकृत किया जाता है। परियोजना प्रबंधक ने बताया कि ऋण लेने के इच्छुक व्यक्ति अंतिम तिथि से पूर्व आवेदन कर सकते है। जिसके लिए आवेदक की आयु 18 वर्ष से कम एवं 60 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक की वार्षिक आय अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 3 लाख रूपए, सफाई कर्मचारियों एवं दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कोई आय सीमा निर्धारित नही है। आवेदक द्वारा ऋण आवेदन करने के लिए आवश्यक दस्तावेज जन आधार कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक (ऋण आवेदन करने वाले व्यक्ति का बैंक खाता जन आधार में अपडेट होना चाहिए), जाति प्रमाण पत्र जिसमें टोकन नम्बर अंकित हो, बीपीएल कार्ड, राशन कार्ड, बीपीएल नहीं हो तो आय प्रमाण पत्रा निर्धारित प्रारूप में जो कि 6 माह से अधिक पुराना न हो, अदेय प्रमाण पत्रा एवं परियोजना विवरण दस्तावेज सहित ऑनलाइन आवेदन अनुजा निगम के पोर्टल पर ई-मित्र या स्वयं की एसएसओ आईडी के माध्यम से कर सकते हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में प्राप्त लक्ष्यों के विरूद्ध राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त व विकास निगम (वाल्मिकी समाज सफाई कर्मचारी) योजना में जिला कार्यालय को आदिनांक तक कुल 11 आवेदन प्राप्त हुए है।

सार-समाचार

सात दिवसीय शिविर का समापन

झुंझुनूं,(निसं)। स्थानीय गणपति नगर स्थित न्यू राजस्थान बालिका पीजी महाविद्यालय में एनएसएस की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का समापन किया गया। जिसके प्रथम सत्र में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाकर छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर स्वस्थ खान-पान व दैनिक दिनचर्या के विषय में बताया। साथ ही उपभोक्ता संरक्षण दिवस के उपलक्ष पर उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया तथा द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि पार्षद प्रतिनिधि प्रमोद जानूं व पार्षद प्रमोद बुडानियां ने स्वयंसेविकाओं के साथ गोपाल गौशाला झुंझुनूं गए एवं स्वयंसेविकाओं ने गायों को गुड़, हरी सब्जियां व चारा खिलाया। मुख्य अतिथियों ने बताया कि गायों के लिए किए गए दान से मोक्ष की प्राप्ति होती है एवं स्वयंसेविकाओं द्वारा गोद लिए गए गांव में सात दिवसीय शिविर में किये गए सेवाभाव कार्य की सराहना की। संस्था सचिव इंजी. पीयूष ढूकिया ने स्वयंसेविकाओं को सात दिवस में किए गए कार्यों की प्रशंसा की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार की सामाजिक गतिविधियों से जुड़कर सेवा धर्म के पालन के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या डॉ. सुमन जानूं ने स्वयंसेविकाओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर एनएसएस प्रभारी पिकेंश, अंजू सैनी, समस्त स्टाफ सदस्य व स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे।

सीए काउंसिल चुनाव संपन्न

झुंझुनूं, (निसं)। हाल ही में सीए संस्था के सेंट्रल काउंसिल एवं सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल के चुनाव संपन्न हुए। जिसमें झुंझुनूं सहित अन्य क्षेत्र के एडवोकेट एवं सीए ने भी उत्साह के साथ मतदान किया। दोनों चुनावों के परिणामों में सेंट्रल काउंसिल चुनाव में सीए सतीश गुप्ता एवं सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल के चुनाव में सीए विजय अग्रवाल ने अपनी जीत दर्ज करवाई है। दोनों की जीत पर एडवोकेट श्रवण केजड़ीवाल, विनोद कानोडिया, नरेश मित्तल, सीए पवन केडिया, सीए मनीष मित्तल, सीए अश्विनी अग्रवाल, सीए प्रशांत तुलस्यान, सीए हर्ष जालान, सीए प्रवीण केडिया, सीए अंकुर हलवाई, श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था झुंझुनूं की ओर से सीएमडी डॉ. डीएन तुलस्यान सहित अन्य ट्रस्टी, पदाधिकारी, सदस्यों सहित झुंझुनू के अन्य एडवोकेट, सीए ने हर्ष व्यक्त कर बधाई प्रेषित की है। चुनाव परिणाम में जीत के पश्चात सीए सतीश गुप्ता एवं सीए विजय अग्रवाल ने सभी एडवोकेट एवं सीए का अपार समर्थन के लिए आभार एवं धन्यवाद प्रकट करते हुए एकजुट होकर अपने पेशे की बेहतरी और प्रगति के लिए समर्पित भाव से काम शुरू करने का आश्वासन दिया है।

खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

बलवंतपुरा,(निसं)। डूंडलोद गर्ल्स स्कूल बलवंतपुरा में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन समारोह आयोजित हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विद्यालय सचिव बीएल रणवां थे। खेल प्रभारी शिखा खोहल व प्रियंका जाना ने बताया कि पिछले तीन दिनों से चल रही खेलकूद प्रतियोगिता में अनेक प्रतियोगिताओं जैसे शूटिंग, लांग जंप, रिले रेस, शॉट पुट, मेमोरी टेस्ट, टेबिल टेनिस, बैडमिंटन, वॉलीबाल, खो-खो आदि का आयोजन हुआ। जिसमें विजेता छात्राओं को पदक व स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि सचिव बीएल रणवां ने बताया कि खेल हमारे शारीरिक और मानसिक स्थिति को सुधारने का अद्वितीय माध्यम है। जब हम खेल खेलते हैं तो हम साथी खिलाड़ियों के साथ ग्रुप में संगठित होते हैं और टीम वर्क करते है। खेल हमें नैतिकता और संयम की महत्वपूर्ण शिक्षा भी प्रदान करता है। प्राचार्या इंदू सोनी ने सभी खिलाड़ियों कि सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी तरह से आगे बढते रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सुल्तान सिंह रणवां, महेंद्र सिंह रणवां स्टाफ व अभिभावक मौजूद थे।

इंटर वार्ड क्रिकेट प्रतियोगिता 27से

झुंझुनूं,(निसं) । रतनशहर यूथ क्लब के तत्वावधान में गोदाम स्टेडियम रतनशहर में इंटर वार्ड क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ 27 दिसंबर को होगा। यूथ क्लब के अध्यक्ष विक्रम सैनी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में जिला परिषद की आठ ग्राम पंचायतों और एक नगर पालिका के वार्डों की टीमें भाग लेंगी। इनमें लालपुर, कासिमपुरा, बुड़ाना, प्रतापपुरा, जयपहाड़ी, माखर इस्लामपुर, भड़ौंदा खुर्द और बगड़ नगरपालिका के वार्ड शामिल हैं। क्रिकेट प्रतियोगिता के अलावा 31 दिसंबर को बुजुर्गों के लिए 100 मीटर दौड़ और आम लोगों के लिए 1600 मीटर दौड़ प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी।

सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग

रतनगढ,(निसं) । आरयुआईडीपी द्वारा श्रमिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजित किया गया। कार्यकम में अघिक्षण अभियन्ता राकेश शरण गर्ग ने श्रमिकों के लिए सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला।सोशियल एक्सपर्ट राजीव शर्मा व इन्वायरमेंट एक्सपर्ट महावीर सैनी ने महिला श्रमिकों की सुरक्षा के बारे में जानकारी दी। एलएन्डटी कम्पनी के पी एम ब्रिजेस चतुर्वेदी व सुरक्षा अधिकारी राकेश महुवा ने कार्य के दौरान प्रयोग में आने वाने प्रत्येक उपकरण के प्रयोग बारे में जानकारी दी। अधिशाषी अभियन्ता श्री आर डी गर्ग द्वारा प्रशिक्षण मे दी गई जानकारी कार्य के दौरान प्रयोग लने के लिए सलाह दी। कार्यक्रम मे एसीएम पंकज झा, उग्रसेन कुमार सहित परियोजना के अधिकारी व श्रमिक उपस्थित थे। कार्यक्रम संचालन प्रवीण सिंह राठौड ने किया।

आज होगा जिला स्तरीय समारोह

झुंझुनूं, (निसं)।सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सहकार से समृद्धि कार्यक्रम के अन्तर्गत 10000 नवगठित बहउद्देश्यीय पैक्स, डेयरी व मत्स्य सहकारी समितियों का शुभारम्भ 25 दिसम्बर को राष्ट्रीय कार्यकम केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा नई दिल्ली में आयोजित किया।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर, जिला हनुमानगढ़ (राज.)

क्रमांक :- न.पा.रा./भूमि/2024/ दिनांकः-........

आपत्ति-आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी श्री भादरराम पुत्र श्री मंगतूराम जाति मेघवाल साकिन चक 9 डीडब्लूएम तहसील रावतसर ने ऑनलाईन आवेदन कर अपने खरीदशुदा भूखंड का नामानंतरण अपने नाम से चाहा है। उक्त भूखंड का मूल पट्टा श्री भूपराम पुत्र श्री देवतराम के नाम से साईज 80 गुणा 78 दिनांक 14.08.1992 को नगरपालिका रावतसर द्वारा स्टेट ग्रांट एक्ट के तहत पट्टा जारीशुदा है। श्री भूपराम द्वारा जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 21.05.2020 को श्री जगदीश प्रसाद से 80 गुणा 07 फुट का भूखंड खरीद कर लिया। श्री जगदीश प्रसाद का पट्टा पालिका द्वारा दिनांक 14.08.1992 को साईज 80 गुणा 78 का जारीशुदा है। अतः अब श्री भूपराम के नाम से साईज 755.55 वर्गगज का भू-स्वामित्व है। जिसको भूपराम द्वारा जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 02.05.2023 को श्री दलीप मितल पुत्र श्री सुखलाल व श्री जीतिन पुत्र दलीप मितल को 85 गुणा 80 फुअ यानि 755.55 को बैचान कर दिया। बाद उपरांत श्री दलीप एवं जीतिन मितल द्वारा जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 14.10.2024 को साईज 85 गुणा 80 फुट में से 25 गुणा 80 पूर्वी हिस्सा श्री भादरराम पुत्र श्री मंगतूराम को बेचान कर दिया। अत भादरराम के नाम साईज 222.22 का नामान्तरण किया जाना हैं। अतः उक्त आवासीय भूखंड का नामान्तरण दर्ज करने में अगर किसी को कोई आपत्ति हो,तो इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन होने के 7 दिवस की अवधि में अपनी आपत्ति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रावतसर

भाजपा सरकार का एक वर्ष सफलता का वर्ष रहा : शिक्षा मंत्री दिलावर

सीकर, (निसं)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि राजस्थान की भाजपा सरकार का एक वर्ष सफलता का वर्ष रहा है। कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सफलता के एक वर्ष में पार्टी के घोषणा पत्र में शामिल संकल्पों के 50 प्रतिशत से अधिक काम पूर्ण किए हैं। यह बात उन्होंने मंगलवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि ईआरसीपी परियोजना के काम को भाजपा सरकार ने पूर्ण किया है। इसका उद्घाटन भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। इस परियोजना से सिंचाई व पेजयल का पानी मिलने लगेगा और जल की समस्या का समाधान हो सकेगा। जबकि इसके बारे में कांग्रेस केवल झूंठा डिंडोरा पिटने का काम किया था। भाजपा ने उस समय भी तत्कालीन कांग्रेस सरकार को कहा कि इसमें संशोधन किया जाए जिससे केंद्र सरकार इस परियोजना को पास कर सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनते ही सबसे पहले गरीबों के लिए पहले ही दिन से 450 रूपये में गैस सिलेंडर देना प्रारंभ किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के पहले बजट को क्रियान्वत करने के लिए मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को जिलों में भेजा और बजट घोषणाओं को लागू करवाने का काम किया। कहा कि राजस्थान में पौधारोपण करने का वल्र्ड रिकॉर्ड बनाया है। कहा कि शिक्षा व पंचायती राज विभाग ने राजस्थान में सात करोड़ पौधे लगाये हैं। पौधों को जीवित रखने के लिए 200 पौधों पर एक कर्मचारी भी तैनात किए है।

उन्होंने कहा कि अंत्योदय योजना में सबसे नीचे की रेखा में रहने वाले घुमंतु लोगों के लिए घर बनाकर देने का काम भी राजस्थान की भाजपा सरकार ने किया है। ऐसे 21 हजार परिवारों को पट्टे भी जारी किये गये हैं। शेष रहे परिवारों के लिए भारत सरकार के सहयोग से मकान बनाकर देने का काम करेंगे। मंत्री दिलावर ने कहा कि संविधान निर्माता भींमराव अंबेडकर को नीचा दिखाने का काम कांग्रेस ने हमेशा किया है। संसद में उनकी तस्वीर नहीं लगाने दी, उनके संसद सदस्य बनने में कांग्रेस ने रोड़े अटकाये, उनका कोई स्मारक नहीं बनने दिया। कांग्रेस ने तो अंबेडकर का अंतिम संस्कार भी राजघाट पर नहीं करने दिया क्योंकि वे अनुसूचित जाति से थे। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंबेडकर का सम्मान किया है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार ने तय किया है कि पांचवीं और आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों को परमोट नहीं किया जाएगा। यदि वे फैल होते हैं तो उन्हें आगे की कक्षा में नहीं पढ़ाया जाएगा। अध्यापकों को अब पांचवीं और आठवीं के बच्चों को पढ़ाना होगा। इस दौरान जिलाध्यक्ष डॉ. कमल सिखवाल, जिला महामंत्री संजय सैनी व डॉ. बलवंत सिंह चिराणा, गोविंद सैनी, पूर्व विधायक केडी बाबर, जिला मीडिया संयोजक जितेंद्र माथुर, गजानंद कुमावत, प्रभुसिंह शेखावत, राजकुमार जोशी, जगदीश कुमावत, बाबुसिंह बाजौर, जितेंद्र सिंह कारंगा, श्रीहरि बियाणी, सुरेश अग्रवाल, डॉ. बीएल रणवां, महेंद्र जोशी, ईश्वर सिंह राठौड़, प्रभुसिंह सेवद, जितेंद्र सिंह रानोली, मो. आफरान आदि मौजूद रहे।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने पत्रकारों से बात की ।

- **भाजपा सरकार ने पहले ही वर्ष में घोषणा पत्र के 50 प्रतिशत काम पूर्ण किए : शिक्षा मंत्री दिलावर**

कार्यालय ग्राम पंचायत देवीपुरा पंचायत समिति राजगढ़ (चूरू)

क्रमांक :- ग्राम/ई निविदा/2024-25/ दिनांकः- 23.12.2024

ई-निविदा सूचना 01/2024-25 में संशोधन

इस कार्यालय के पत्रांक ग्राम/निविदा/2024-25 दिनांक 10.12.2024 के द्वारा आमंत्रित निविदा संख्या 01/2024-25 में अपरिहार्य कारणों से निम्नानुसार तिथियों में संशोधन किया जाता है।

विवरण	पूर्व में तिथियां	संशोधित तिथि
निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने की दिनांक	11.12.2024 को प्रात.10.00 बजे से 23.12.2024 सांय 6.00 बजे तक	11.12.2024 को प्रातः 10.00 बजे से 31.12.2024 सांय 6.00 बजे तक
भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करवाने की दिनांक	दिनांक 24.12.2024 को प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक	दिनांक 01.01.2025 को प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक
निविदा खोलने की दिनांक	दिनांक 24.12.2024 को सांय 5.00 बजे	दिनांक 01.01.2025 को सांय 5.00 बजे

शेष शर्तें यथावत रहेगी।

चांदकोर
सरपंच
ग्राम पंचायत देवीपुरा
पंचायत समिति राजगढ़ (चूरू)

श्रृंखला के बीच में संन्यास लेने का एक कारण यह था कि मुझे अपने खेल से रचनात्मक संतुष्टि नहीं मिल रही थी। मुझे निश्चित रूप से लगता है कि रचनात्मक पक्ष के मामले में बहुत कुछ तलाशने को नहीं था। - आर. अश्विन

भारतीय गेंदबाज, संन्यास लेने के कारण के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मनु भाकर

दो ओलंपिक पदक जीतने वाली मनु भाकर की इस साल ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार के लिये उपेक्षा किये जाने की खबरों के बीच खेल मंत्रालय के एक शीर्ष सूत्र ने कहा है कि अभी नाम तय नहीं हुए हैं और एक सप्ताह में पुरस्कारों का खुलासा होने पर उसका नाम सूची में होगा। अगस्त में पेरिस ओलंपिक में मनु एक ही खेलों में दो पदक जीतने वाली आजाद भारत की पहली खिलाड़ी बन गई जब उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। मनु के परिवार ने कहा कि उन्होंने पुरस्कार के लिये आवेदन भरा था।

क्या आप जानते हैं ?... ट्वंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज वेस्टइंडीज के क्रिस गेल थे। दूसरा व तीसरा शतक न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैकुलम व भारत के सुरेश रैना ने लगाया था।

पहले खो-खो विश्वकप के लिए ऑस्ट्रेलिया ने कस ली है कमर

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। सिडनी, मेलबर्न और कैनबरा शहरों में आयोजित प्रशिक्षण शिविरों में प्रशिक्षित ऑस्ट्रेलियाई खो खो टीम ने अगले महीने होने वाले विश्वकप के लिए कमर कस ली हैं। ऑस्ट्रेलियाई लोग खो-खो को 'को-को' कहते हैं। इसके लिए बस कुछ सटीक उच्चारण (गूगलिंग) और सिडनी, मेलबर्न और कैनबरा शहरों में प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये जाने के बाद इस खेल को लोगों ने बहुत पसंद किया। अब ऑस्ट्रेलियाई टीम 13 से 19 जनवरी 2025 के बीच दिल्ली में होने वाले पहले विश्व कप का हिस्सा बनने के लिए कमर कस रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया इस टूर्नामेंट में पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में भाग ले रहा है। 15 खिलाड़ियों वाली प्रत्येक टीम में कुछ भारतीयों के अलावा, ऑस्ट्रेलियाई मूल के छह पुरुष और आठ महिला खिलाड़ी हैं। टीम के एक सदस्य गस डॉडल ने भारत आने और इतिहास का हिस्सा बनने पर खुशी और उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, एक महान खेल राष्ट्र के रूप में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है। हम हमेशा ऐसे खेलों को आजमाने के लिए तैयार रहते हैं जिन्हें हमने पहले नहीं खेला है और मेरे लिए यह एक अद्भुत अवसर है कि मैं ऑस्ट्रेलिया के खेल मूल्यों जैसे निष्पक्ष खेल, प्रतिस्पर्धा और दृढ़ता को विश्व कप में ला पाऊं। मैंने पाया है कि यह बहुत तेज और कठिन खेल है। साथ ही, यह बहुत मजेदार है और इस करण मैं इस ग्लोबल स्पर्धा में खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

राजस्थान राज्य क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप आज से

31 जिलों के 270 बालक एवं 130 बालिका, कुल 400 एथलीट होंगे शामिल

जयपुर, 24 दिसंबर। राजस्थान राज्य क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप का आयोजन राजस्थान एथलेटिक्स संघ द्वारा 25 दिसम्बर को प्रात: 7:30 से 10:30 बजे तक विधानी पंचायत कार्यालय से महल रोड जगतपुरा मे किया जाएगा।आयोजन सचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया प्रतियोगिता 400 एथलीट ले रहै है हिस्सा जिनमे से 32 सदस्यीय टीम का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। सीनियर वर्ग 10 किलोमीटर महिला पुरूष 20 वर्ष महिला पुरुष में 8 किलोमीटर एवं 6 किलोमीटर।18 वर्षीय बालक एवं बालिका वर्ग में 6 किलोमीटर वह 4 किलोमीटर एवं 16 वर्षीय बालक बालिका 2 किलोमीटर की दौड़ आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों का चयन मेरठ उत्तर प्रदेश में 12 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा। प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु एवं एथलीटों की सुरक्षा के लिए पुलिस व्यवस्था एवं मेडिकल टीम की उचित व्यवस्था की गई है।

चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को होगा मुकाबला

दुबई, 24 दिसंबर। अगले वर्ष 19 फरवरी से शुरु होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टूर्नामेंट का कार्यक्रम जारी कर दिया है और टूर्नामेंट में भारत तथा पाकिस्तान के बीच मुकाबला 23 फरवरी को दुबई में खेला जायेगा।

आईसीसी के आज यहां जारी चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम के अनुसार भारत का पहला मैच 20 फरवरी को बंगलादेश के साथ दुबई होगा है। वहीं टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच 19 फरवरी को पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची के नेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात की मेजबानी में होने वाले टूर्नामेंट 19 फरवरी से नौ मार्च तक चलेगा। इसमें कुल 15 मैच खेले जाएंगे।

कार्यक्रम के अनुसार अगर भारत सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करता है तो पहला सेमीफाइनल दुबई में आयोजित होगा। इसी तरह दूसरा सेमीफाइनल पाकिस्तान खेलेगा, यदि वह क्वालीफाई करता है। फाइनल के लिए लाहौर को मेजबान शहर के रूप में चुना गया है, लेकिन अगर भारत फाइनल में पहुंचता है तो यह मैच दुबई में होगा। आईसीसी के बयान के अनुसार सेमीफाइनल और फाइनल के लिए रिजर्व दिन भी रखा गया है।

टूर्नामेंट में भारत अपने दूसरे मैच 23 फरवरी को चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा। और यह मैच भी दुबई में ही खेला जाएगा। भारत के ग्रुप में बंगलादेश, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान जैसी मजबूत टीमें शामिल हैं। ग्रुप चरण में भारत का आखिरी मैच दो मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ दुबई में खेलागा। सभी मैच भारतीय समयानुसार अपराह्न 3:30 बजे शुरू होंगे।

भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को दिया 359 रनों का लक्ष्य

वडोदरा, 24 दिसंबर। हरलीन देओल (115) की शतकीय, प्रतिका रावल (76), स्मृति मंधाना (53) और जेमिमाह रॉड्रिग्स (52) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारतीय महिला टीम ने मंगलवार को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को जीत के लिए 359 रनों का लक्ष्य दिया है। आज यहां भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

बल्लेबाजी करने उतरी स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 110 रन जोड़े। 17वें ओवर में स्मृति मंधाना के रनआउट होने पर इस साझेदारी का अंत हुआ। मंधाना ने 47 गेंदो में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए (53) रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी हरलीन देओल ने

प्रतिका रावल के साथ पारी को संभाल और तेजी के साथ रन बटोरे। 29वें ओवर में जायडा जेम्स ने प्रतिका रावल को आउटकर वेस्टइंडीज को दूसरी सफलता दिलाई। प्रतिका रावल ने 86 गेंदों में 10 चौके और एक छक्के की मदद से (76) रन बनाये। कप्तान हरमनप्रीत कौर 18 गेंदों में (22) रन बनाकर तीसरे विकेट के रूप में आउट हुई।

48वें ओवर में किआना जोसेफ ने हरलीन देओल को आउट कर वेस्टइंडीज की चौथी सफलता दिलाई। हरलीन देओल ने 103 गेंदों में 16 चौके लगाते हुए (115) रनों की पारी खेली। पांचवें विकेट के रूप में जेमिमाह रॉड्रिग्स आउट हुई। उन्होंने 36 गेंदों में छह चौके और एक छक्के लगाते हुए (52) रन बनाये। भारतीय महिला टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 358 रनों का स्कोर खड़ा किया। ऋचा घोष (13) और दीप्ति शर्मा (चार) रन बनाकर नाबाद रही। वेस्टइंडीज की ओर से जायडा जेम्स,डिएंड्रा डॉटिन,किआना जोसेफ और ऐफी फ्लेचर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

निकी प्रसाद की अगुवाई में महिला अंडर-19 टी-20 विश्वकप में खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई, 24 दिसंबर। अगले महीने मलेशिया में होने वाले महिला अंडर 19 टी-20 विश्वकप में भारतीय टीम की अगुवाई निकी प्रसाद करेंगी। चयनकर्ताओं ने हाल ही में अंडर-19 एशिया कप जीतने वाली 15 सदस्यीय दल में एकमात्र बदलाव वैष्णवी एस के रूप में किया गया है। वैष्णवी मध्यम गति की तेज गेंदबाज नंदना एस की जगह लेंगी। नंदना को स्टैंडबाय खिलाड़ियों के रूप में रखा गया हैं। जी तृषा, शकिल और सोनम यादव का यह दूसरा अंडर 19 विश्वकप होगा। यह टूर्नामेंट भारत 18 जनवरी से दो फरवरी तक खेला जायेगा। कुल 16 टीमों वाले इस टूर्नामेंट में टीमों को चार के समूह में चार अलग अलग ग्रुप में विभाजित किया गया है।

रग्बी प्रीमियर लीग के लिए जीएमआर स्पोर्ट्स ने रग्बी इंडिया के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। जीएमआर स्पोर्ट्स ने रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) को शुरू करने के लिए रग्बी के राष्ट्रीय शासी निकाय-रग्बी इंडिया के साथ दस वर्षीय रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। जीएमआर स्पोर्ट्स ने कहा कि 2025 में शुरू होने वाली आरपीएल दुनिया की पहली फ्रैंचाइजी आधारित रग्बी लीग में से एक होगी। इसमें छह शहरों की टीमें शामिल होंगी और दुनिया भर के शीर्ष रग्बी देशों की बेहतरीन प्रतिभाएं इसमें अपना दमखम दिखाएंगी।

इस लीग का लक्ष्य युवा भारतीय प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और शीर्ष स्तरीय कोचिंग से परिचित कराकर खेल के लिए एक स्थायी इकोसिस्टम बनाना है। इस परिवर्तनकारी सहयोग पर जीएमआर स्पोर्ट्स के अध्यक्ष किरण कुमार ग्रांधी ने कहा, जीएमआर स्पोर्ट्स में, हम ऐसे प्लेटफॉर्म बनाकर भारत में खेलों के भविष्य को आगे बढ़ाने में विश्वास करते हैं जो एथलीटों और खेल प्रेमियों को समान रूप से प्रेरित करते हैं।

गिल को खुद पर भरोसा करना होगा, उसने बल्लेबाजी में काफी बदलाव कर लिये है : पोंटिंग

मेलबर्न, 24 दिसम्बर। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाज शुभमन गिल ने अपनी बल्लेबाजी शैली में काफी बदलाव कर लिये हैं जिससे विदेश दौरों पर रन नहीं बन पा रहे लेकिन उन्हें आत्मविश्वास पैदा करना होगा। गिल अंगूठे की चोट के कारण बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट नहीं खेल सके थे। एडीलेड में दूसरे टेस्ट में वह अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल सके। ब्रिसबेन में तीसरे टेस्ट में वह पहली पारी में जल्दी आउट हो गए लेकिन बाद में केएल राहुल और रविंद्र जडेजा ने अर्धशतक जमाकर मैच ड्रॉ कराया।

पोंटिंग ने कहा, मुझे उसे खेलते देखना पसंद है। जब आप उसे अच्छी बल्लेबाजी करते देखें तो उसका कोई सानी नहीं है। लेकिन विदेश में उसका प्रदर्शन वैसा नहीं रहा है।'' पोंटिंग ने कहा कि एडीलेड में दूसरे टेस्ट में उन्होंने गिल की तकनीक में काफी बदलाव देखे जिससे उनसे रन नहीं बन पा रहे। उन्होंने कहा ,'' मैने एडीलेड में उसे बल्लेबाजी करते देखा और लगा कि उसने काफी बदलाव कर लिया है। स्कॉट बोलैंड गेंदबाजी कर रहा था और उसे आफ स्टम्प पर पड़ती गेंद पर फ्रंट पैड आगे कर दिया। बोलैंड ने सीधी गेंद पर उसे बोल्ड कर दिया।''

पोंटिंग ने कहा कि आमूलचूल बदलाव करने की बजाय गिल को अपने आप पर भरोसा करके बल्लेबाजी में सुधार करना चाहिये था। उन्होंने कहा ,'' उसे अपनी रक्षात्मक तकनीक पर थोड़ा और काम करना होगा ताकि आस्ट्रेलिया में रन बना सके। उसने अपने देश में या दुनिया में हर जगह आक्रामक खेलकर रन बनाये हैं जब वह आउट होने के बारे में नहीं बल्कि रन बनाने के बारे में ही सोचता आया है। उसे उसी मानसिकता के साथ यहां उतरना होगा।

स्कॉट बोलैंड की वापसी, सैम कॉन्सटास मेलबर्न टेस्ट में करेंगे पदार्पण

मेलबर्न, 24 दिसंबर। स्कॉट बोलैंड एक बार फिर मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर होने वाले टेस्ट मैच में वापसी और सैम कॉन्सटास ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण करेंगे।

कॉन्सटास 19 साल और 85 दिन में टेस्ट पदार्पण करने वाले ऑस्ट्रेलिया के चौथे सबसे युवा खिलाड़ी होंगे। इयान क्रैग, मौजूदा कप्तान पैट कमिंस और टॉम गैरेट ने ही उनसे कम उम्र में पदार्पण किया है। मक्डॉनल्ड ने मंगलवार को प्रशिक्षण के बाद संवाददाता सम्मेलन में इसकी पुष्टि की। ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता टोनी डोडेमाडे ने उसी सुबह कॉन्सटास को अच्छी खबर दी, लेकिन उन्होंने कहा कि शेष एकादश की पुष्टि क्रिसमस के दिन होगी जब कमिंस मैच से पहले संवददाता सम्मेलन को सम्बोधित करेंगे।

उन्होंने कहा, हमने गर्मियों की शुरुआत में ही कहा था कि हम पीछे नहीं हटेंगे और उम्र कोई बाधा नहीं होगी। और उसके पास शॉट्स की एक सीरीज है, विरोधियों पर दबाव बनाने की क्षमता है और वह मिले अवसर का फायदा उठाता है। हम वास्तव में उसके लिए उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि बायें हाथ का बल्लेबाज ट्रेविस हेड मैच खेलने के लिए फिट होगा। हेड ने मंगलवार को नेट्स में थोड़ी दौड़ लगाई और क्षेत्ररक्षण किया।

लेकिन मेलबर्न में खेलने के लिए उन्हें फिटनेस टेस्ट देना होगा।ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते समय हेड को बहुत मामूली जांघ में खिंचाव का सामना करना पड़ा और बारिश के कारण मैच समाप्त होने से पहले उन्होंने भारत की दूसरी पारी के दौरान क्षेत्ररक्षण नहीं किया।

मक्डॉनल्ड ने कहा, फिलहाल कोई चिंता की बात नहीं है। उन्हें आधिकारिक तौर पर हटाया नहीं गया है। मैंने वहां उसके प्रशिक्षण सत्र का बैक-एंड नहीं देखा, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि वह खेलेगा।

राजधानी

समिति सदस्यों के अलावा अन्य को कनेक्शन जारी नहीं करे बिजली विभाग

जयपुर। अतिरिक्त जिला न्यायालय क्रम-18 महानगर प्रथम ने बिजली विभाग को पाबंद किया है कि वह पटेल गृह निर्माण सहकारी समिति की ओर से सृजित कुंती विहार योजना के सदस्यों के अलावा अन्य किसी को विद्युत कनेक्शन जारी नहीं करे। अदालत ने यह आदेश कुंती विहार विकास समिति की ओर से दायर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता विकास सोमानी ने अदालत को बताया कि पटेल गृह निर्माण सहकारी समिति ने गजसिंहपुरा में कुंती विहार योजना का चार ब्लॉक में सृजन किया था।

प्रार्थी समिति के सदस्य अपने भूखंडों पर निर्माण कर सालों से निवास कर रहे हैं। वहीं उन्हें विधि अनुसार विभाग ने बिजली कनेक्शन भी जारी कर रखे हैं।

प्रार्थना पत्र में कहा गया कि कुछ लोग फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्रार्थी समिति के सदस्यों के भूखंडों पर कब्जा करना चाहते हैं। प्रार्थी समिति को गत 22 अक्टूबर को जानकारी मिली कि ये लोग अपने स्वार्थ पूर्ति के लिए बिजली कनेक्शन लेना चाहते हैं। जब समिति ने विभाग में इसकी शिकायत की तो संबंधित अधिकारी ने उच्चाधिकारियों के कहने पर इन लोगों को जल्दी ही कनेक्शन देने की बात कही।

ऐसे में विभाग को पाबंद किया जाए कि वह प्रार्थी समिति के अतिरिक्त अन्य किसी को यहां बिजली कनेक्शन जारी नहीं करे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की

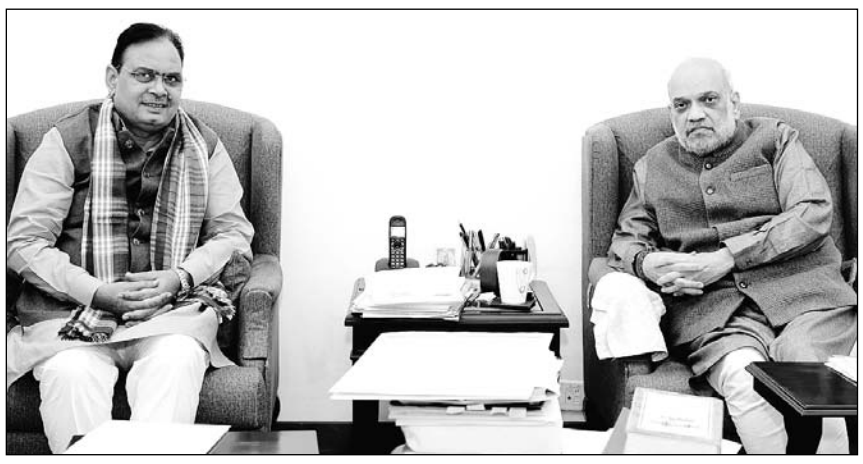

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

जयपुर/नई दिल्ली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली के अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्रियों अमित शाह एवं पीयूष गोयल तथा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की।

शर्मा ने सोमवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं ने राजस्थान से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने मंगलवार को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से शिष्टाचार मुलाकात की। चर्चा के दौरान दोनों नेताओं के मध्य राजस्थान में विभिन्न विकास परियोजनाओं, उद्योग क्षेत्र में निवेश संभावनाओं एवं राज्य के समग्र आर्थिक विकास पर विस्तार से बातचीत हुई। शर्मा मंगलवार को ही नई दिल्ली स्थित जोधपुर हाउस में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी मिले। मुलाकात के दौरान दोनों राज्यों के बीच चल रहे विभिन्न विकास कार्यों, पारस्परिक सहयोग एवं आर्थिक संबंधों के विषय में विस्तृत चर्चा की गई।

स्वदेशी शिक्षा प्रणाली के आंदोलन में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित किया

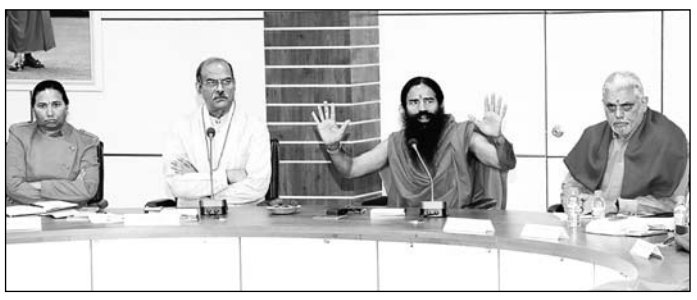

प्राचीन भारतीय ज्ञान एवं परंपरा के आधुनिक शिक्षा में समावेशन के उद्देश्य से गठित भारत सरकार द्वारा स्थापित एवं पतंजलि योगपीठ द्वारा प्रायोजित नवीन राष्ट्रीय विद्यालय बोर्ड, भारतीय शिक्षा बोर्ड द्वारा हरिद्वार के पतंजलि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित परिवर्तनकारी शैक्षिणक संगोष्ठी उद्घाटन स्वामी रामदेव ने किया।

हरिद्वार में परिवर्तनकारी शैक्षिणक संगोष्ठी का समापन : परंपरा और नवाचार का समावेश

हरिद्वार/जयपुर। प्राचीन भारतीय ज्ञान एवं परंपरा के आधुनिक शिक्षा में समावेशन के उद्देश्य से गठित भारत सरकार द्वारा स्थापित एवं पतंजलि योगपीठ द्वारा प्रायोजित नवीन राष्ट्रीय विद्यालय बोर्ड, भारतीय शिक्षा बोर्ड द्वारा हरिद्वार के पतंजलि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित परिवर्तनकारी दो दिवसीय शैक्षिणक संगोष्ठी, ''विद्यालयी शिक्षा में परिवर्तन: नवीन भारत निर्माण हेतु भारतीय मूल्यों का समावेशन'' का समापन किया गया। 14 और 15 दिसंबर को आयोजित इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक अंतर्दृष्टि को सुसंगत बनाने और पाठ्यक्रम में आधुनिक शैक्षिणक पद्धितयों के समावेशन हेतु अभिनव तरीकों पर संवाद करने के लिए अग्रणी शैक्षिणक संस्थानों और संगठनों के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

संगोष्ठी में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान, भारतीय शिक्षण मंडल, ईशा योग फाउंडेशन, रामकृष्ण मिशन शैक्षिक और शोध संस्थान, अगस्त्य इंटरनेशनल फाउंडेशन, चिन्ना जीयर स्वामी संगठन, स्वामीनारायण गुरुकुल संस्थान, विवेकानंद केंद्र, श्री अरबिंदो सोसाइटी, भिक्खु संघ सेना, जैन एजुकेशन ट्रस्ट, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा और कई अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा भविष्योन्मुखी शैक्षिणक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया। यह संगोष्ठी समग्र शिक्षा, अनुभवात्मक शिक्षा और पारंपरिक भारतीय ज्ञान को समकालीन शैक्षिणक तकनीकों में एकीकृत करने हेतु विचारों के आदान-प्रदान का एक मंच था। संगोष्ठी का उद्घाटन स्वामी रामदेव ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को युवा पीढ़ी में भारतीय मूल्यों और दृष्टिकोणों के समावेशन के साथ उन्हें वैश्विक नेतृत्व में बदलने हेतु स्वदेशी शिक्षा प्रणाली के नवीन आंदोलन में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित किया। प्रतिभागियों ने संगोष्ठी के उद्देश्य को आत्मसात करते हुए नवीन भारत की आवश्यकताओं के अनुरूप निर्मित समकालीन शिक्षा में बदलाव की महत्ता को स्वीकार किया। उन्होंने रोचक और विचारशील प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए।

संगोष्ठी में संवाद के मुख्य तत्व थे, भारतीय शैक्षिणक पारिस्थितिकी तंत्र को भारतीय संवेदनाओं और मूल्यों के साथ पुन: निर्मित करना ताकि व्यावहारिक विज्ञान और कला शिक्षा के माध्यम से जिज्ञासा को बढ़ावा दिया जा सके; नवीन, अनुभवात्मक शिक्षण तकनीकों को बढ़ावा देना, समग्र विकास, गहन शिक्षक सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से जमीनी स्तर पर शिक्षकों के साथ जुड़ाव, प्रौद्योगिकी और कौशल की महत्वपूर्ण भूमिका को समझना, छात्रों और शिक्षकों के सामाजिक और भावनात्मक विकास को मजबूत करना और बच्चों की शैक्षिणक यात्रा में माता-पिता एवं समाज की भागीदारी को बढ़ाना।

भजनलाल शर्मा ने गन्ना क्रय मूल्य में वृद्धि की

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गन्ना क्रय मूल्य में 10 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की स्वीकृति प्रदान की है। इस वृद्धि से श्रीगंगानगर के हजारों गन्ना उत्पादक किसानों की आय में 2 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री शर्मा के कृषक हितैषी निर्णय के अनुसार अब गन्ना की अगेती किस्म को 401 रुपये, मध्य किस्म को 391 रुपये एवं पछेती किस्म को 386 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जाएगा।वर्तमान वर्ष 2024-25 में श्रीगंगानगर जिले के 3 हजार 170 किसानों द्वारा लगभग 19 हजार 4 बीघा क्षेत्र में गन्ने की बिजाई की गई है।

प्रखर राजस्थान की तैयारियों पर चर्चा

जयपुर । शिक्षा संकुल में मंगलवार को प्रखर राजस्थान के द्वितीय चरण की तैयारियों और हॉलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अविचल चतुर्वेदी ने की। इस बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत परख द्वारा विकसित एचपीसी के मुद्रण, शिक्षकों के लिए संदर्शिका सामग्री की उपलब्धता और प्रखर राजस्थान के तहत अगले तीन माह की कार्य योजना पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान आरएससीईआरटी द्वारा तैयार एचपीसी फाउंडेशन स्टेज और प्रिपरेटरी स्टेज के विद्यालय स्तर पर क्रियान्वयन की रणनीति पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने विद्यालयों में परीक्षाफल रिकॉर्ड संधारण को व्यवस्थित करने के लिए अपने सुझाव साझा किए। समीक्षा बैठक में प्रखर राजस्थान के तहत कक्षा कक्षीय प्रक्रियाओं, शिक्षण योजनाओं एवं आगामी तीन माह की कार्य योजना पर चर्चा हुई। इसके लिए अभियान के अगले चरण में विद्यालय स्तर पर प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विस्तृत चर्चा की गई।

कंट्रोल के कपड़े की 40 साल पहले कालाबाजारी की, अब सजा

जयपुर। सीबीआई मामलों की विशेष अदालत ने चालीस साल पहले कंट्रोल के कपडे की कालाबाजारी करने वाले 86 वर्षीय व्यापारी राधेश्याम को दो साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर पचास हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी जया अग्रवाल ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने गरीबों को वितरण के लिए मिले कपडे की कालाबाजारी की है। ऐसे में उसके खिलाफ नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता। वहीं अदालत ने प्रकरण में एक अन्य विष्णु कुमार को बरी कर दिया।

अदालत ने अभियुक्त पर पचास हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार के खाद्य आपूर्ति विभाग के तत्कालीन उपायुक्त ने घटना के चार साल बाद एक दिसंबर, 1988 को सीबीआई में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि गरीब जनता को वितरित किए जाने वाले कपडे पर भारत सरकार भारी अनुदान देती है। अभियुक्त व्यापारी ने कपडे की 1005 गांठों में से 98 गांठों के फर्जी बिल बनाकर बाजार में कालाबाजारी की। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए सीबीआई ने 19 दिसंबर, 1991 को राधेश्याम सहित चिरंजीलाल, मोहनलाल और विष्णु कुमार के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान चिरंजी और मोहनलाल की मौत हो गई। इस पर अदालत ने उनके खिलाफ पूर्व में भी कार्रवाई को ड्रॉप कर दिया।

भांकरोटा में लकड़ी की फैक्ट्री में आग

जयपुर । भांकरोटा इलाके में सोमवार देर रात लकड़ी की एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग ने कुछ ही समय में विकराल रुप धारण कर लिया। आग की सूचना पर बिंदायक और मानसरोवर से आधा दर्जन दमकल मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे में आग पर काबू पाया। आग से लाखों रुपए का कच्चा व तैयार माल जलकर स्वाहा हो गया। घटना के समय करीब आधा दर्जन मजदूर फैक्ट्री में सो रहे थे। समय रहते मजदूर बाहर निकल आए वरना बड़ा हादसा हो सकता है। फैक्ट्री मालिक ने आग बुझाने का प्रयास किया। आग बुझाने के प्रयास में फैक्ट्री मालिक झुलस गया। झुलसे फैक्ट्री मालिक का अस्पताल में उपचार जारी है।

पुलिस के अनुसार भांकरोटा में सूर्य नगर बी-3 स्थित एक लकडी की फैक्ट्री में रात करीब डेढ़ बजे अचानक आग लग गई। फैक्ट्री से धुआं निकलता देखकर आस-पास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। आग ने कुछ ही समय में विकराल रुप धारणकर लिया। आग लगते ही वहां पर सो रहे कर्मचारियों में अफरा तफरी मच गई।

कांग्रेस ने बाबा साहब का किया अपमान, भाजपा ने दिया सम्मान : भजनलाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सत्ता लोलुप पार्टी है, केवल सत्ता हासिल करना उसका उद्देश्य है

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी का इतिहास हमेशा से बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को अपमानित करने का रहा है और आज यह पार्टी उनके नाम पर हक मांगने का ढ ोंग कर रही है।

भाजपा के प्रदेश कार्यालय में प्रैस वार्ता में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा सांसदों से धक्का-मुक्की करना बहुत शर्मनाक है।

जयपुर, 24 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास हमेशा से बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को अपमानित करने और उनका मजाक उड़ाने का रहा है और आज यह पार्टी उनके नाम पर हक मांगने का ढोंग कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस को अपने नेताओं और जवाहर लाल नेहरू द्वारा बाबा साहब डॉ. अंबेडकर के अपमान के लिए पूरे देश से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के कारण ही देश के पहले कानून मंत्री बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर को मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा। कांग्रेस पार्टी को जवाब देना चाहिए कि उसने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के त्यागपत्र को जनता के सामने क्यों नहीं आने दिया? उन्होंने कहा कि नेहरू ने एडविना माउंटबेटन को भी पत्र लिखकर बाबा साहब अंबेडकर के कैबिनेट में न रहने पर खुशी जाहिर की थी। ऐसी सोच वाली कांग्रेस पार्टी आज बाबा साहब के नाम पर झूठ की राजनीति कर रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर को 1952 के लोकसभा चुनाव और 1954 के उपचुनाव में हरवाया। इस पार्टी के शासन में उन्हें भारत रत्न तक नहीं दिया गया। देशभर में नेहरू, इंदिरा गांधी, संजय गांधी और राजीव गांधी के नाम पर सैकड़ों स्मारक, अस्पताल और सड़कों के नाम रख दिए गए, मगर बाबा साहब का एक भी स्मारक नहीं बनने दिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पार्टी को सत्ता लोलुप बताते हुए कहा कि यह पार्टी सत्ता के बिना नहीं रह सकती। कांग्रेसी नेताओं का प्रयास रहता है कि येन-केन-प्रकारेण सत्ता हासिल करे, फिर चाहे झूठ, धर्म या जातिवाद की राजनीति ही क्यों न करनी पड़े। केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार आई, तो दिल्ली में अंबेडकर सेंटर बनकर तैयार हुआ। मोदी की सरकार ने लंदन में जहां बाबा साहब रहे थे, वहां उनकी एक स्मृति बनवाई, दिल्ली में उनके निवास स्थान पर स्मृति स्थापित की, नागपुर की दीक्षा भूमि और मुंबई की चैत्य भूमि में भी स्मृतियां बनाई। कांग्रेस लंबे समय तक शासन में रही, लेकिन उसने बाबा साहब को कभी सम्मान नहीं दिया, जबकि भाजपा समर्थित सरकार ने बाबा साहब को भारत रत्न देने का काम किया।

भजनलाल ने कहा कि राहुल गांधी ने सांसदों से धक्का-मुक्की की, जो बेहद शर्मनाक कृत्य है।

कोलकाता हत्याकांडः एफ.एस.एल. के अनुसार, सेमिनार रूम में रेप व हत्या नहीं हुई

कोलकाता, 24 दिसंबर। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला जूनियर डॉक्टर की रेप और हत्या मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। इसी साल 9 अगस्त को अस्पताल की चौथी मंजिल पर बने सेमिनार रूम से जूनियर डॉक्टर का शव बरामद किया गया था। वहीं, अब इस रूम में बलात्कार और हत्या के कोई सबूत नहीं मिले हैं। केंद्रीय फोरेंसिक अनुसंधान प्रयोगशाला (सी.एफ.एस.एल.) की रिपोर्ट के अनुसार घटनास्थल पर मृतका और हमलावर के बीच हाथापाई और मारपीट के कोई निशान नहीं मिले हैं। आरजी कर अस्पताल मामले की सीएफएसएल रिपोर्ट हाल ही में जांच एजेंसी सीबीआई को सौंपी गई है।

सी.एफ.एस.एल. की रिपोर्ट में विशेष रूप से उल्लेख किया गया कि सेमिनार कक्ष में नीले गद्दे पर मृतका और हमलावर के बीच संभावित हाथापाई के कोई संकेत नहीं मिले हैं।

पत्नी के हत्यारे पति को आजीवन कारावास

अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने आरोपी पर एक लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया। ज्ञातव्य है कि उक्त आरोपी पर सालों तक पुत्री से दुष्कर्म करने का आरोप भी है, जिसका केस पॉक्सो कोर्ट में चल रहा है।

जयपुर, 24 दिसंबर। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-3 महानगर प्रथम ने आपसी विवाद में पत्नी की हत्या करने वाले अभियुक्त पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, पीठासीन अधिकारी राजेश गोरा ने अभियुक्त पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। वहीं, अभियुक्त के खिलाफ अपनी बेटी से सालों तक दुष्कर्म करने को लेकर पॉक्सो कोर्ट में केस चल रहा है।

अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि अभियुक्त के बेटे ने 1 दिसंबर, 2020 को मानसरोवर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि वह दोपहर को बाजार गया था। शाम को वापस आने पर उसके भाई-बहन घर में थे और बेडरूम का गेट बंद था। जब उसने अपने पिता से मां के बारे में पूछा तो उन्होंने मां के हरिद्वार जाने की बात कही और मां को तलाश करने के नाम पर उसे साथ लेकर बस स्टैंड चले गए। इसके बाद, पिता वहां से कहीं चले गए। जब वह वापस आया तो भाई ने बताया कि मां की लाश पलंग में मिली थी और मामा उसे लेकर अस्पताल गए हैं। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए , पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार किया। सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता बेटे ने पुलिस रिपोर्ट से अलग बयान दिए। हालांकि अदालत के सामने आया कि अभियुक्त की बेटी ने पुलिस को बयान दिए थे कि उसके पिता ने करीब छह साल तक उसके साथ दुष्कर्म किया था और उसका मामला पॉक्सो कोर्ट में चल रहा है। इसकी जानकारी उसकी मां को हो गई थी और इसके कारण दोनों में झगड़ा होता था।

विवाहिता बेटी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह आदेश राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

मामले से जुड़े अधिवक्ता एस.जे. मूथा ने बताया कि एकलपीठ की याचिकाकर्ता मंजू लता के पिता पुलिस लाइन, बारां में ए.एस.आई. पद पर कार्यरत थे। ड्यूटी के दौरान 20 मार्च 2016 को उसके पिता की मौत हो गई। परिवार में अन्य कोई सक्षम आश्रित नहीं होने पर याचिकाकर्ता की मां ने मई 2016 में अपनी बेटी को मृतक पति के आश्रित के तौर पर अनुकंपा नियुक्ति देने के लिए आवेदन किया, लेकिन पुलिस प्रशासन ने उसका आवेदन यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि बेटी विवाहित है और वह अनुकंपा नियुक्ति की पात्र नहीं है। मंजु लता ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता के पक्ष में फैसला देते हुए विवाहित बेटी को अनुकंपा नियुक्ति का हकदार माना और राज्य सरकार को उसे नियुक्ति देने के लिए कहा, लेकिन राज्य सरकार ने आदेश की पालना नहीं की, जिसे याचिकाकर्ता ने अवमानना याचिका के जरिए चुनौती दी। वहीं, राज्य सरकार ने एकलपीठ के आदेश के खिलाफ खंडपीठ में अपील की। अब खंडपीठ ने भी एकलपीठ के आदेश को बरकरार रखते हुए, राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी है।

कार और बस की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

5 जनों की मृत्यु हो गई। कार मध्यप्रदेश के नम्बर की बताई जा रही है। समाचार लिखे जाने तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है।

करौली चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रामकेश मीणा ने बताया कि दुर्घटना की सूचना जिला कलेक्टर से प्राप्त हुई थी। एंबुलेंस के जरिए मृतकों को अस्पताल लाया गया। 4 जनों को चिकित्सक ने मृत घोषित कर पोस्टमार्टम के लिए मुर्दाघर में रखवा दिया है ।

उन्होंने बताया कि एक महिला, जो गंभीर रूप से घायल हुई थी, को गंगापुर ले गए, जहां अस्पताल पहुंचते ही उसकी मृत्यु हो गई।

डॉक्टर रामकेश मीणा ने बताया कि बस में सवार यात्रियों में से करीब डेढ़ दर्जन महिला पुरुष घायल हुए हैं, जिनको करौली चिकित्सालय में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। बस में सवार लोगों ने बताया कि एक ब्रेकर था, जिस पर कार चालक का संतुलन बिगड़ने से कार बस के सामने आ गई और टकरा गई।

बेलगांव में 26 दिसम्बर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सप्ताह के विरोध-प्रदर्शन आयोजित किये तथा उसके बाद राष्ट्रपति मुर्मू को एक ज्ञापन दिया, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह द्वारा किये गये बाबासाहेब अंबेडकर के अपमान को लेकर, उनके इस्तीफे की माँग की गई।

वेणुगोपाल ने कहा, "देश यह अपेक्षा कर रहा है कि गृह मंत्री इस मुद्दे पर क्षमा याचना करेंगे, यह देश को आशा और अपेक्षा थी, लेकिन क्या हुआ। इसके बाद भी, वे दिन-पर-दिन अंबेडकर जी की विरासत का अपमान करने की कोशिश कर रहे हैं। हर दिन वे सवंधिान की महत्ता को नष्ट करने की कोशिश करने की कोशिश कर रहे हैं। वे चुनाव-प्रक्रिया की पूरी तरह से जड़ काट रहे हैं। वे लोकतांत्रिक सिद्धांतों की काट-छाँट कर रहे हैं। यही कारण है कि हम बेलगांव में विस्तृत-चर्चा करेंगे तथा इस मुद्दे का निश्चित रूप से मजबूत "फॉलो अप" किया जायेगा।"

जयराम रमेश ने कहा कि बेलगांव का एक ऐतिहासिक महत्व है। इसका कारण केवल यही नहीं कि महात्मा गांधी 100 वर्ष पहले यहाँ कांग्रेस अध्यक्ष बने थे, एक कारण यह भी है कि 26 दिसम्बर, 1924 को डॉ.एन.एस. हार्दिकर ने सेवा दल का शुभारंभ यहीं से किया था। वेणुगोपाल ने कहा कि बेलगांव की सी.डब्ल्यू.सी. मीटिंग से राहुल गांधी की "नव सत्याग्रह यात्रा" का शुभारंभ होगी, उन्होंने कहा कि इस मीटिंग में साल-भर चलने वाले कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श एवं निर्णय होगा।

उन्होंने कहा, पार्टी की रणनीति बिल्कुल साफ है- भाजपा की योजना से लड़ना तथा अमित शाह के इस्तीफे पर जोर देना। उन्होंने कहा कि भाजपा रोजाना मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की रणनीति गुरुवार की संसद की सी.सी.टी.वी. फुटेज के लिये दबाव बनाने की है।

वेणुगोपाल ने यह घोषणा भी की कि बेलगांव में सी.डब्ल्यू.सी. पार्टी के संगठनात्मक ढाँचे तथा 2025 में संगठन में होने वाली फेरबदल के बारे में निर्णय लेगी।

भारत अमेरिका के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आकर्षित करने का प्रयास कर रहा है जो चीन से बाहर जाने की योजना बना रहे हैं।

ध्यान देने वाली बात यह है कि ट्रम्प ने सभी आयातों पर 10 से 20 प्रतिशत का बेसलाइन शुल्क प्रस्तावित किया है और जो देश डॉलर पर निर्भरता घटाने जैसे अन्य अनुचित कार्यों में संलग्न होंगे, उन पर शुल्क बढ़ाया भी जा सकता है। इसके तहत कैनडा और मैक्सिको पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने और चीन पर दस प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की गई है। व्यापारिक नीतियों की अनिश्चितता अन्तर्राष्ट्रीय निवेश को हतोत्साहित कर सकती है। आर्थिक विकास को रोक सकती है, क्योंकि व्यवसायों को बदलते नियमों के अनुकूल योजना बनाने में मुश्किल आ सकती है। इसके अलावा दक्षिण कोरिया जैसे देश संभावित अमेरिकन शुल्कों को लेकर चिंतित है, जो उनकी अर्थव्यवस्थाओं को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकते है। इन देशों की राजनीतिक अस्थिरता अमेरिका को जवाब देने की उनकी क्षमता को और कमज़ोर कर सकती है।

'पनामा कैनाल अमेरिका द्वारा अमेरिकी पैसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का इतिहास शांति और सद्भाव से भरा हुआ नहीं है। अमेरिका ने पनामा के गठन के लिए राजनीतिक आंदोलन आयोजित किया था, जिसके परिणामस्वरुप पनामा कोलंबिया से अलग एक स्वतंत्र राष्ट्र बन गया था। पनामा के कोलंबिया से स्वतंत्र होने के बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका ने नहर का निर्माण किया और उसके बाद पिछली सदी से लेकर 1964 तक नहर पर अमेरिकी नियंत्रण रहा इसके बाद, अमेरीकियों के लिए विरोध शुरु हुआ। लंबी वार्ताओं के बाद नहर पर संयुक्त नियंत्रण स्थापित हुआ, और 1999 में स्वामित्व और संचालन पनामी लोगों को सौंप दिया गया।

अब, डोनाल्ड ट्रम्प इसे फिर से वापस लेना चाहते हैं, ताकि यह अमेरिका के व्यापार और रणनीतिक हितों के लिए उपयोगी हो सके। लेकिन इससे भी ज्यादा चौंकाने वाला है ट्रम्प का ग्रीनलैंड पर स्वामित्व का दावा, जो दुनिया के एकदम दूसरी ओर स्थित है। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ग्रीनलैंड अमेरिकी अस्तित्व और रणनीतिक हितों के लिए महत्वपूर्ण है। वे इसे अमेरिका द्वारा 19 वीं सदी में रुस से खरीदे गये अलास्का की तरह खरीदना चाहते हैं।

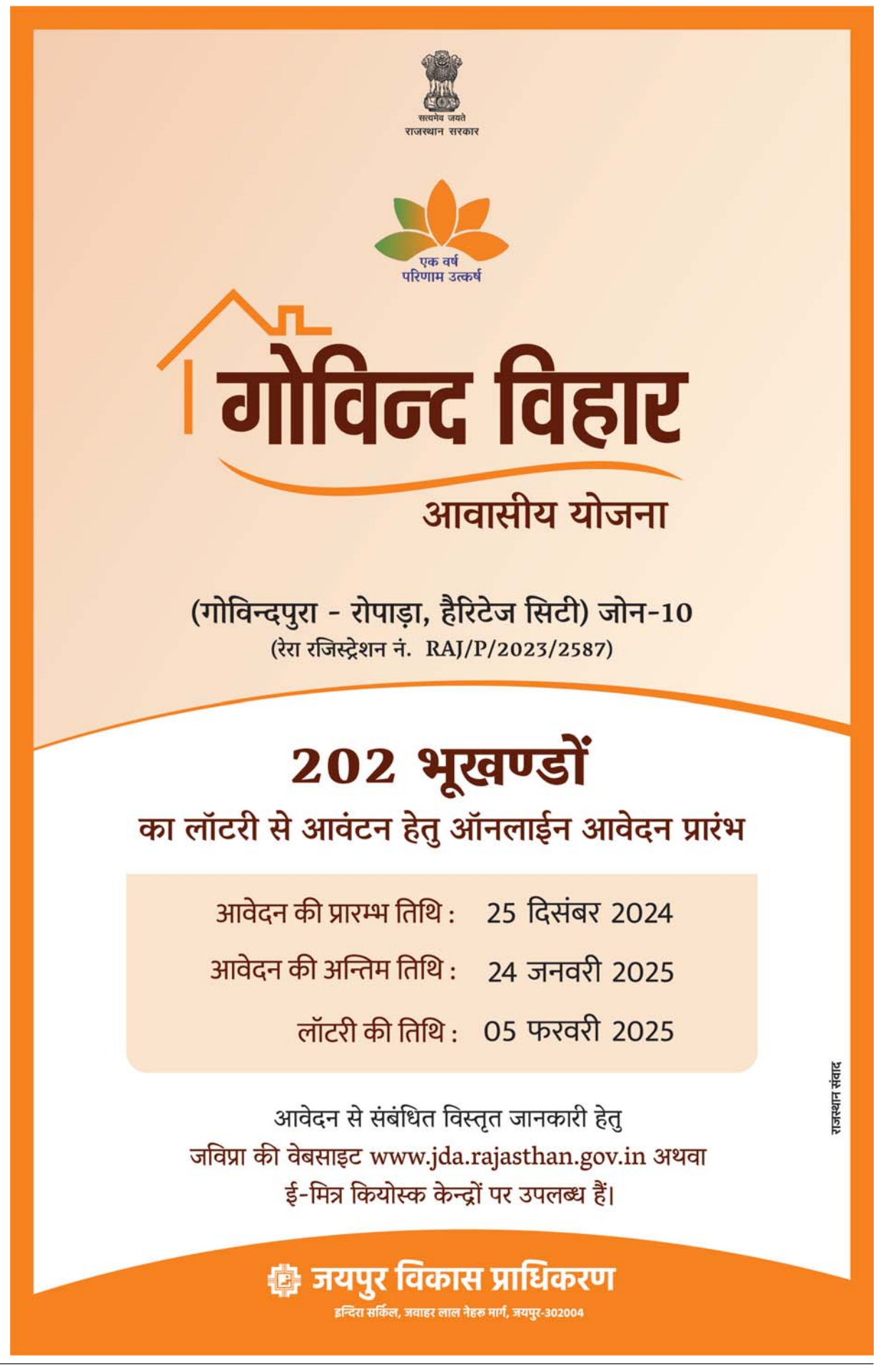

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600